दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-163 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 7 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए, विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता ही है

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आरक्षण से प्रतिनिधित्व तक: राजनीति में बराबरी की असली परीक्षा ‘

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है, लेकिन विडंबना यह है कि यही विविधता कई बार राजनीतिक सीमाओं में कैद होकर रह जाती है। दलित और आदिवासी समाज के संदर्भ में यह सच और भी कड़वा है। दशकों से मुख्यधारा की राजनीति में इन वर्गों की भागीदारी अक्सर आरक्षित सीटों तक सीमित रखी गई है। सवाल यह नहीं है कि आरक्षण गलत है–सवाल यह है कि क्या केवल आरक्षण ही प्रतिनिधित्व का अंतिम लक्ष्य है? यहां मैं बोलूंगा तो फिर शीर्षक: ‘आरक्षण से प्रतिनिधित्व तक: राजनीति में बराबरी की असली परीक्षा ‘ भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है, लेकिन विडंबना यह है कि यही विविधता कई बार राजनीतिक सीमाओं में कैद होकर रह जाती है। दलित और आदिवासी समाज के संदर्भ में यह सच और भी कड़वा है। दशकों से मुख्यधारा की राजनीति में इन वर्गों की भागीदारी अक्सर आरक्षित सीटों तक सीमित रखी गई है। सवाल यह नहीं है कि आरक्षण गलत है–सवाल यह है कि क्या केवल आरक्षण ही प्रतिनिधित्व का अंतिम लक्ष्य है? हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और नई उभरती राजनीतिक शक्तियों के संदर्भ में यह बहस फिर से प्रासंगिक हो उठी है कि क्या दलित और आदिवासी नेतृत्व को ‘जनरल सीटों’ पर भी समान अवसर मिल रहा है? यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि अधिकांश बड़ी राजनीतिक पार्टियाँ–चाहे वे राष्ट्रीय हों या क्षेत्रीय–इन वर्गों को सुरक्षित सीटों तक ही सीमित रखने की प्रवृत्ति से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई हैं। इससे एक मनोवैज्ञानिक बाधा उत्पन्न होती है, जहाँ नेतृत्व क्षमता को जातीय दायरे में बांध दिया जाता है। इसी पृष्ठभूमि में जब कोई नई राजनीतिक पहल या दल इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश करता है, तो वह स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बनता है। दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में समय-समय पर सामाजिक न्याय की राजनीति ने नए प्रयोग किए हैं। यहाँ यह समझना जरूरी है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा ‘जनरल सीटों’ पर दलित उम्मीदवारों को मौका देना केवल एक रणनीति नहीं, बल्कि एक वैचारिक प्रतिबद्धता का संकेत होना चाहिए।

लेकिन इस पूरे विमर्श में एक सावधानी भी जरूरी है–राजनीतिक दावों और वास्तविक तथ्यों के बीच फर्क करना। किसी भी नई पार्टी या नेता की सफलता को केवल एक कारण से जोड़ देना, या आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना, लोकतांत्रिक समझ को कमजोर करता है। राजनीति में परिवर्तन धीरे-धीरे और बहुस्तरीय प्रक्रिया के रूप में आता है। यदि कहीं दलित उम्मीदवार सामान्य सीटों से जीतते हैं, तो यह निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसे व्यापक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है। थलपति विजय जैसे नए राजनीतिक चेहरों का उदय इस बात का संकेत है कि जनता पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्पों की तलाश कर रही है। यदि वे सामाजिक न्याय और समावेशिता को अपनी राजनीति का केंद्र बनाते हैं, तो यह स्वागतयोग्य है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि उनके दावों और उपलब्धियों का मूल्यांकन ठोस तथ्यों और दीर्घकालिक प्रभाव के आधार पर किया जाए। दलित और आदिवासी समाज को केवल ‘वोट बैंक’ के रूप में देखने की राजनीति अब धीरे-धीरे चुनौती के दौर में प्रवेश कर चुकी है। शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक आंदोलनों के कारण इन वर्गों में नेतृत्व क्षमता विकसित हुई है। वे अब केवल प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी चाहते हैं। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है।

मुख्यधारा की पार्टियों के लिए यह एक स्पष्ट संदेश है–यदि वे वास्तव में समावेशी राजनीति करना चाहती हैं, तो उन्हें प्रतीकात्मक कदमों से आगे बढ़ना होगा। दलित और आदिवासी नेताओं को केवल आरक्षित सीटों पर नहीं, बल्कि सामान्य सीटों पर भी मौका देना होगा। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में समानता की भावना भी मजबूत होगी। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल टिकट देना ही पर्याप्त नहीं है। राजनीतिक दलों को संगठनात्मक स्तर पर भी इन वर्गों को सशक्त बनाना होगा। नेतृत्व का विकास, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और नीतिगत स्तर पर उनकी आवाज को महत्व देना–ये सभी पहलू समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में सामाजिक आंदोलनों की मजबूत परंपरा रही है, जहाँ शिक्षा और सामाजिक जागरूकता ने राजनीति को प्रभावित किया है। यदि इन राज्यों में नई राजनीतिक शक्तियाँ उभरती हैं और वे सामाजिक न्याय के मुद्दों को ईमानदारी से आगे बढ़ाती हैं, तो यह देश के अन्य हिस्सों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है।

अंतत:, यह समझना जरूरी है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को बराबरी का अवसर देने की व्यवस्था है। ‘आरक्षण अधिकार देता है, लेकिन समान अवसर सम्मान देता है। ‘ आज जरूरत इस बात की है कि राजनीति आरक्षण की सीमाओं से आगे बढ़कर वास्तविक समानता की दिशा में कदम बढ़ाए। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहां किसी की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और योगदान से तय होगी।कहोगे कि बोलता है हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और नई उभरती राजनीतिक शक्तियों के संदर्भ में यह बहस फिर से प्रासंगिक हो उठी है कि क्या दलित और आदिवासी नेतृत्व को ‘जनरल सीटों’ पर भी समान अवसर मिल रहा है? यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि अधिकांश बड़ी राजनीतिक पार्टियाँ–चाहे वे राष्ट्रीय हों या क्षेत्रीय–इन वर्गों को सुरक्षित सीटों तक ही सीमित रखने की प्रवृत्ति से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई हैं। इससे एक मनोवैज्ञानिक बाधा उत्पन्न होती है, जहाँ नेतृत्व क्षमता को जातीय दायरे में बांध दिया जाता है। इसी पृष्ठभूमि में जब कोई नई राजनीतिक पहल या दल इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश करता है, तो वह स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बनता है। दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में समय-समय पर सामाजिक न्याय की राजनीति ने नए प्रयोग किए हैं। यहाँ यह समझना जरूरी है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा ‘जनरल सीटों’ पर दलित उम्मीदवारों को मौका देना केवल एक रणनीति नहीं, बल्कि एक वैचारिक प्रतिबद्धता का संकेत होना चाहिए।

रवां की बेटी प्रीति जेवरिया बनी प्रेरणा की मिसाल, यूपीएससी में 521वीं रैंक पर भव्य अभिनंदन

अंबेडकर पार्क में हुआ ऐतिहासिक सम्मान समारोह, गांव की प्रतिभा ने युवाओं को दिया बड़ा संदेश- ‘मेहनत और ईमानदारी से ही बदलती है तकदीर ‘

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

ग्राम पंचायत रवां में बुधवार को उस समय उत्सव जैसा माहौल बन गया, जब गांव की बेटी प्रीति जेवरिया के यूपीएससी में 521वीं रैंक हासिल कर आईपीएस पद पर चयन होने पर अंबेडकर पार्क में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जेवरिया परिवार एवं ग्राम पंचायत रवां के सहयोग से पूर्व सरपंच रेखा जेवरिया की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रीति जेवरिया, उनके परिवारजन एवं उपस्थित अतिथियों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी सफलता का श्रेय उनके विचारों एवं शिक्षा को समर्पित किया।

गांव की बेटी ने दिया प्रेरक संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए प्रीति जेवरिया ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उनके इस सम्मान की वास्तविक सार्थकता तब होगी, जब गांव का कोई और युवा भी उच्च मुकाम हासिल करेगा और वह स्वयं एक आईपीएस अधिकारी के रूप में उसका सम्मान करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि वे सामान्य परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं और अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करेंगी, ताकि गांव के लोगों को उन पर गर्व हो।

शिक्षा ही बदलती है समाज की तस्वीर

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने प्रीति की सफलता को ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो समाज और राष्ट्र के भविष्य को संवारती है।

परिवार ने जताया आभार

कार्यक्रम के अंत में प्रीति की माता गीता देवी एवं पिता थावरमल जेवरिया ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार एवं कवि हरीश हिंदुस्तानी ने संयुक्त रूप से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिवकुमार जेवरिया एडवोकेट द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन बहादुरमल जेवरिया भगत जी की ओर से स्नेहभोज का आयोजन करके शुभकामनाएं और बधाई दी।

प्रीति जेवरिया की स्केच फोटो भेंट करते हुए चचेरा भाई मेघांशु जेवरिया एवं अन्य अतिथिगण

भव्य स्वागत से गूंजा गांव

प्रीति जेवरिया का गांव में आगमन किसी विजय यात्रा से कम नहीं रहा। उन्हें पचेरी बॉर्डर से पुलिस एस्कॉर्ट के साथ घोड़ी पर बैठाकर डीजे और महिलाओं के मंगल गीतों के बीच अंबेडकर पार्क तक लाया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सत्यव्रत शास्त्री (भाजपा प्रदेश प्रवक्ता, हरियाणा) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फूलचंद मीणा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में झुंझुनूं सीएमएचओ छोटेलाल गुर्जर, सरपंच रोशनी, कवि हरीश हिंदुस्तानी (नवलगढ़), वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाश कल्याण, भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास स्वामी (चिड़ावा), दैनिक भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार, पत्रकार रमेश शर्मा, एससी-एसटी अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा, हजारीलाल मीणा (टोडी), लक्ष्मी नारायण मेहरा, थाना अधिकारी अनिल (सतनाली), एएसआई महिपाल (खेतड़ी), एडवोकेट अनीता गुर्जर, पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर, मोहर सिंह, सुरजीत खटौती, कृष्ण पोसवाल, नरोत्तम जांगिड़, रेवताराम कराना, प्रकाश सिहोडिया, पंच काशीराम यादव, रोशन अवाना, शक्ति सिंह (पीटीआई), सुगन सिंह जेवरिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रीति जेवरिया के अभिनंदन समारोह को साझा करते हुए अतिथिगण

अपनी लाडली के अभिनंदन समारोह में उमड़ा महिलाओं का जन सैलाब

गांव की विरासत बनी प्रेरणा

रवां गांव के मेघवाल मोहल्ले की यह उपलब्धि और भी खास इसलिए है कि यहां से तीन पीढ़ियों में तीन आईपीएस और एक आईएफएस अधिकारी निकल चुके हैं। प्रहलाद राम जेवरिया पहले आईपीएस अधिकारी बने उसके बाद दीपेंद्र जेवरिया (आईएफएस), दीपक जेवरिया (आईपीएस) नारनौल जिला महेंद्रगढ़ आईपीएस के बाद अब प्रीति जेवरिया ने इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। यह समारोह न केवल एक प्रतिभा के सम्मान का अवसर बना, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय भी लिख गया।

डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए विभाग ने शुरू किया हर घर अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए हर घर अभियान के तहत जिले में डेंगू और मलेरिया की जांच की। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार के निर्देशानुसार आज उप सिविल सर्जन डॉ. मनीष यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मोहल्ला शिलाखाना और गुरुनानकपुरा में घर-घर जाकर बुखार के मरीजों की जांच की और साफ सफाई के बारे में जागरूक किया। डॉ मनीष यादव ने बताया कि अभियान के दौरान 5 घरों में लारवा पाया गया जिनको नोटिस दिया। अभियान के दौरान 10 बुखार के मरीज मिले जिनकी रिपोर्ट जांच में नेगेटिव पाई। उन्होंने कहा कि बुखार के मरीजों की बढ़ती संख्या और मौसम को देखते हुए नगर परिषद को फॉगिंग के लिए पत्र लिखा है। उप सिविल सर्जन डॉ मनीष यादव ने पंचायत विभाग, स्थानीय निकाय विभाग और जनप्रतिनिधियों से गांवों और शहर की साफ सफाई के लिए जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर टीम में मुकेश कुमार, अजय कुमार, महेश कुमार, सतीश कुमार, संजय कुमार, गुरजीत कौर आशा वर्कर, मुकेश कुमार फील्ड वर्कर, मुकेश कुमार शामिल थे।

जिला में 149 टीमों ने 1125295 घरों का किया दौरा

सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार ने बताया कि इस वर्ष अभी तक जिले में 149 टीमों ने 1125295 घरों का दौरा किया है जिसमें 53 घरों में लारवा पॉजिटिव पाए गए हैं जिनको नोटिस दिया गया है। इस वर्ष अभी तक 4 डेंगू पॉजिटिव मरीज आए हैं जबकि 2025 में 57 मरीज, 2024 में 62 मरीज और 2023 में 44 मरीज पॉजिटिव पाए गए थे।

झुंझुनूं में बिजली कर्मचारियों का शक्ति प्रदर्शन, मांगें नहीं मानी तो ‘अंधेरे’ की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं में बिजली कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज करते हुए बुधवार को अजमेर विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ के आह्वान पर जिलेभर से बड़ी संख्या में तकनीकी व मंत्रालयिक कर्मचारी जयपुर रोड स्थित कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए सरकार व निगम प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि 27 सूत्री मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशभर में बिजली व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई दौर की वार्ताओं के बावजूद केवल आश्वासन मिल रहे हैं, लेकिन ठोस आदेश जारी नहीं हो रहे। प्रदर्शन के दौरान निजीकरण रोकने, पुरानी पेंशन योजना की विसंगतियां दूर करने, विद्युत संशोधन विधेयक 2025 वापस लेने, क्लस्टर-फ्रेंचाइजी मॉडल समाप्त करने, मेडिकल सुविधाएं लागू करने, हाई ड्यूटी अलाउंस देने, संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने, लंबित पदोन्नतियां पूरी करने और रिक्त पदों पर भर्ती निकालने की मांग उठाई गई। महासंघ ने चेतावनी दी कि 20 मई तक मांगें नहीं मानी गईं तो डिस्कॉम मुख्यालय पर बड़ा धरना दिया जाएगा और 10 जून 2026 को जयपुर स्थित विद्युत भवन पर प्रदेशव्यापी महापड़ाव किया जाएगा।

मंडावा में रोडवेज बस स्टैंड की मांग तेज, मंत्री को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । झुंझुनूं जिले की पर्यटन नगरी मंडावा में सरकारी रोडवेज बस स्टैंड के अभाव को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। इस समस्या के समाधान की मांग को लेकर समाजसेवी अमित मीणा के नेतृत्व में जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि मंडावा में लंबे समय से सरकारी बस स्टैंड नहीं होने के कारण कस्बे सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जयपुर, बीकानेर, दिल्ली सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए यात्रा करने हेतु लोगों को करीब 30 से 35 किलोमीटर दूर फतेहपुर या झुंझुनूं जाना पड़ता है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले मंडावा में रोडवेज बस स्टैंड संचालित था, लेकिन कई वर्ष पूर्व इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद से ही क्षेत्र के लोग बेहतर परिवहन सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गौरतलब है कि मंडावा एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां हर साल बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां की हवेलियां और ऐतिहासिक धरोहरें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। साथ ही, कई बॉलीवुड फिल्मों और शूटिंग प्रोजेक्ट्स के कारण भी यह कस्बा चर्चा में रहता है। इसके बावजूद बुनियादी सुविधा के रूप में बस स्टैंड का अभाव स्थानीय विकास में बाधा बन रहा है। समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि बस स्टैंड बनने से न केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मंत्री से जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की। इस पर मंत्री अविनाश गहलोत ने आश्वासन दिया कि मंडावा में बस स्टैंड निर्माण की मांग पर सकारात्मक विचार किया जाएगा और शीघ्र ही इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शाहपुरा शर्मा परिवार की बेटी ने अमेरिका में लहराया परचम

इंदु शर्मा को आईटी में मास्टर ऑफ साइंस डिग्री मिली

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती आदर्श एवं राजस्व ग्राम शाहपुरा शर्मा परिवार की होनहार एवं लाडली बेटी ने अमेरिका में परचम लहराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक शर्मा की सुपुत्री इंदु शर्मा को जॉर्जिया यूनिवर्सिटी अटलांटा (अमेरिका) ने आईटी में मास्टर ऑफ साइंस डिग्री प्रदान की। इंदु शर्मा ने आईटी में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल कर अपने पिता अशोक शर्मा एवं माता संतोष देवी शर्मा का ही नाम रोशन नहीं किया अपितु गांव जिला राज्य एवं देश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदार तथा विभिन्न संगठनों एवं पदाधिकारियों ने खुशी का इजहार करते हुए शुभकामनाएं दी। घर परिवार में ही नहीं पूरे गांव में आज खुशी का माहौल है। इंदु शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दिवंगत दादाजी एवं दादीजी को भी दिया है।

वर्चुअल जॉब इंटरव्यू के दौरान ना करें यह गलतियां, हाथ से निकल जाएगी जॉब

चाहे आप फ्रेशर हों या अनुभवी प्रोफेशनल, आपको इंटरव्यू से पहले कंपनी के बारे में पढ़ना चाहिए। इसके आपको उत्पाद और सेवाओं और भविष्य की योजनाओं को जानने व समझने में मदद मिलेगी। साथ ही आप यह भी जान पाएंगे कि उस कंपनी में आपका भविष्य कैसा रहेगा। एक अच्छी जॉब पाने के लिए इंटरव्यू को क्लीयर करना बेहद अहम् है। हालांकि इन दिनों वर्चुअल जॉब इंटरव्यू का चलन काफी बढ़ गया है। जिस तरह से वर्क फ्रॉम होम का कॉन्सेप्ट पॉपुलर हुआ है, ठीक उसी तरह वर्चुअल जॉब इंटरव्यू के जरिए अब कंपनियां लोगों को हायर कर रही हैं। चूंकि इस दौरान लोग घर पर रहकर ही इंटरव्यू देते हैं और ऐसे में उनके द्वारा की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स के कारण वह एक अच्छी जॉब पाने से चूक जाते हैं। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही वर्चुअल जॉब इंटरव्यू मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

टेक्नोलॉजी को चेक ना करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जब आप वर्चुअली जॉब इंटरव्यू दे रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप टेक्नोलॉजी को पहले ही चेक कर लें। कई बार, हम अपने गैजेट्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं और मानते हैं कि वे इंटरव्यू के दौरान फेल नहीं होंगे। हालांकि, यह एक मशीन है और किसी भी समय काम करना बंद कर सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि इंटरव्यू से पहले सबको एक बार रिचेक कर लें। इसके अलावा, अगर आप पहली बार वर्चुअली जॉब इंटरव्यू दे रहे हैं तो उन एप आदि की भी जानकारी हासिल करें, जिसके जरिए आपका ऑनलाइन इंटरव्यू होगा।

कंपनी पर रिसर्च न करना

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि चाहे आप फ्रेशर हों या अनुभवी प्रोफेशनल, आपको इंटरव्यू से पहले कंपनी के बारे में पढ़ना चाहिए। इसके आपको उत्पाद और सेवाओं और भविष्य की योजनाओं को जानने व समझने में मदद मिलेगी। साथ ही आप यह भी जान पाएंगे कि उस कंपनी में आपका भविष्य कैसा रहेगा। जब आप कंपनी से अच्छी तरह से परिचित होंगे तो आपको यह पता होगा कि आप यह नौकरी क्यों चाहते हैं।

सवालों की तैयारी ना करना

भले ही आपका जॉब इंटरव्यू ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों की तैयारी करना बेहद आवश्यक है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि कुछ समय के अनुभव के बाद लोग अति-आत्मविश्वासी हो जाते हैं और इंटरव्यू से पहले उसकी कोई तैयारी नहीं करते, जिससे वह एक अच्छा अवसर पाने से चूक जाते हैं।

ड्रेसिंग पर फोकस नहीं

यह एक ऐसी गलती है, जिसे अक्सर लोग कर बैठते हैं। जब आप किसी कंपनी में इंटरव्यू देने जाते हैं, तब तो ड्रेसिंग पर पूरा ध्यान देते हैं। लेकिन अगर आपका इंटरव्यू आपके घर पर ही है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप इस महत्वपूर्ण बिन्दु को नजरअंदाज कर दें। आपके बैठने और कपड़े पहनने के तरीके से एक्सपर्ट आपके व्यक्तित्व के बारे में स्वयं आकलन कर लेते हैं, जिसका असर आपके सलेक्शन पर भी पड़ता है।

बनाएं अस्थिरोग विज्ञान में कॅरियर

ऑस्टियोपैथिक चिकित्सा का उपयोग पीठ दर्द, खेल की चोटों और दोहराए जाने वाले तनाव की चोटों सहित स्वास्थ्य स्थितियों के उपचार के लिए किया जाता है। ऑस्टियोपैथ सभी आयु वर्ग के लोगों के साथ काम करते हैं। अस्थिरोग विज्ञान या यूं कहें ऑस्टियोपैथी मस्कुलोस्केलेटल फ्रेमवर्क का इलाज और मजबूत करके शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती है। ऑस्टियोपैथी इस विचार पर आधारित है कि स्वास्थ्य का शरीर की संरचना से गहरा संबंध है। इस क्षेत्र में अस्थिरोग विज्ञानी एक रोगी की गतिशीलता या उनके आंतरिक प्रणालियों के कार्यों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें विभिन्न मालिश, शारीरिक जोड़-तोड़ और शरीर और विशिष्ट अंगों के माध्यम से रक्त के प्रवाह की अनुमति देने वाली तकनीकों को शामिल किया जाता है। ऐसे में अगर आप भी लोगों की सेवा करने की इच्छा रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि ऑस्टियोपैथिक चिकित्सा का उपयोग पीठ दर्द, खेल की चोटों और दोहराए जाने वाले तनाव की चोटों सहित स्वास्थ्य स्थितियों के उपचार के लिए किया जाता है। ऑस्टियोपैथ सभी आयु वर्ग के लोगों के साथ काम करते हैं, शिशुओं से लेकर बुजुर्ग मरीजों तक, कई प्रकार के विकारों और बीमारियों के लिए राहत प्रदान करते हैं। ऑस्टियोपैथ कई प्रकार की मैनुअल तकनीकों का उपयोग करके रोगियों का इलाज करता है जैसे कि साफट टिश्यू स्टेचिंग, मसल्स रिलैक्सेशन, जेंटल मोबिलाइजेशन आदि। रोगियों को दर्द, बीमारी और चोट से उबरने में मदद करने के प्रयास में व्यायाम, आहार और व्यावसायिक सलाह के साथ इन उपचार विधियों को आम तौर पर एक साथ नियोजित किया जाता है।

शैक्षिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, जिन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में एमबीबीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस या बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और योगिक विज्ञान या किसी अन्य स्नातक की डिग्री पूरी कर ली है, वे ऑस्टियोपैथिक चिकित्सा में कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, भारत में केवल कुछ ही संस्थान हैं जो इस विषय के क्षेत्र में पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक बेहतर ऑस्टियोपैथिक बनने के लिए आपमें शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ कुछ पर्सनल स्किल्स भी होने चाहिए। मसलन, कम्युनिकेशन व आर्गेनाइजेशनल स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं। इसके अलावा, एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता, अच्छा स्वास्थ्य और फिटनेस, सहानुभूति व लोगों की मदद करने की सच्ची इच्छा आपको काफी आगे तक लेकर जाती है।

संभावनाएं

अगर इस क्षेत्र में संभावनाओं की बात की जाए तो ऑस्टियोपैथ आमतौर पर आहार विशेषज्ञ, चिकित्सा व्यवसायी, प्राकृतिक चिकित्सक, पोडियाट्रिस्ट और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के साथ मिलकर काम करते हैं। ज्यादातर मामलों में, ओस्टियोपैथ सेल्फ इंप्लॉयड होते हैं और स्वयं क्लीनिक शुरू करके निजी अभ्यास चलाते हैं। इसके अलावा, आप स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में काम करने का विकल्प भी चुन सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक ऑस्टियोपैथ की आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितना अनुभवी है और कितना चार्ज करता है। आमतौर पर सेल्फ इंप्लॉयड ऑस्टियोपैथ हर सेशन के लिए चार्ज करते हैं। यह 500 रूपए से 4000 रूपए तक हो सकता है।

प्रमुख संस्थान

डॉ एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, आंध्र प्रदेश

होली एंजल्स कॉलेज ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, मुंबई,

इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिंस, कोलकाता

फ्रेशर्स के लिए बेहद काम के हैं यह कॅरियर टिप्स

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने कॅरियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सके। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊचांइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनैलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है। हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहें कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते, जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉर्प करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बाते हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाडरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।

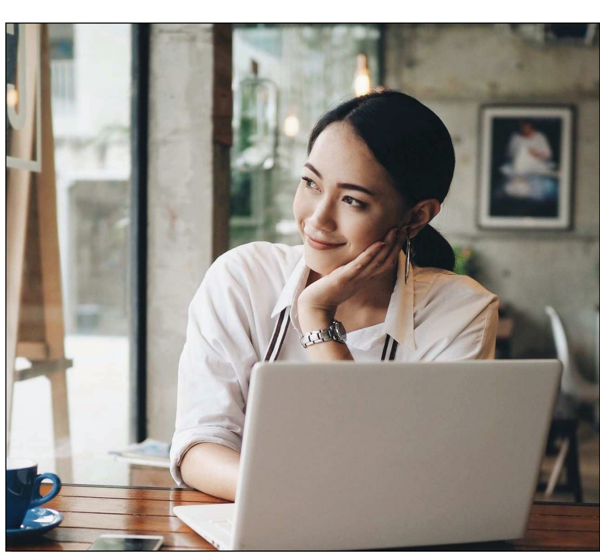

उड़ने का सपना साकार करना है तो एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बनाएं कॅरियर

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग मुख्य रूप से आईआईटी कानपुर, मुंबई, चेन्नई, खड़कपुर में कराया जाता है। साथ ही मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी चेन्नई, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज चंडीगढ़ जैसे महत्वपूर्ण कॉलेजों में भी यह कोर्स कराया जाता है। इंजीनियरिंग का पेशा अब भले ही आम हो चुका है, लेकिन इसकी कुछ स्ट्रीम्स ऐसी जरूर हैं, जो आज भी आकर्षक बनी हुई हैं। इनमें एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की ब्रांच आज भी काफी हॉट मानी जाती है। इस देश के कई युवा आज भी एरोनॉटिकल फिल्ड को पसंद करते हैं। आखिर हवाई जहाज से सम्बंधित तकनीक भला किसे आकर्षित नहीं करेगी?

तमाम युवा इसी आधार पर अपना कॅरियर भी बनाने की राह पर अग्रसर हैं। पर क्या वाकई यह इतना आसान है? आइए जानते हैं, इस फिल्ड से जुड़ी तमाम जानकारियों को... वास्तव में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीटेक, एमटेक और पीएचडी जैसे कोर्स किए जाते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग मुख्य रूप से आईआईटी कानपुर, मुंबई, चेन्नई, खड़कपुर में कराया जाता है। साथ ही मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी चेन्नई, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज चंडीगढ़ जैसे महत्वपूर्ण कॉलेजों में भी यह कोर्स कराया जाता है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस बेंगलुरु में भी एमटेक और पीएचडी कोर्स इस विषय में कराए जाते हैं। आईआईटी एवं दूसरे कॉलेजों के अलावा भी एआईईईई से सम्बद्ध कई कॉलेज इसको अपने यहाँ पढ़ाते हैं। 4 वर्षों के इस कोर्स में आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आईआईटी जी और जी एडवांस में बैठना होता है। स्टूडेंट्स को कॅरियर एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि वे अपनी मैट्रिक की पढ़ाई के समय से ही विज्ञान व गणित पर पूरा फोकस रखें। फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं मैथ के साथ बीटेक कोर्स के लिए कोई भी स्टूडेंट एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के लिए एंट्रेंस एग्जाम दे सकता है। सामान्य तौर पर इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए किसी भी विद्यार्थी को 12वीं में कम से कम 60त्न नम्बर आना चाहिए। जो स्टूडेंट 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं, वे भी एंट्रेंस के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स के मुख्य कार्यों की बात करें तो वह एयरक्राफ्ट की देखभाल के साथ, एयरोस्पेस इक्विपमेंट, स्पेसक्राफ्ट, सैटेलाइट्स एवं मिसाइल्स के बारे में रिसर्च, डिजाईन व प्रोडक्शन से सम्बंधित कार्य करते हैं। इन इंजीनियर्स के मुख्य वर्क्स में रिसर्च व डेवलपमेंट कार्य भी शामिल होते हैं। साथ में टेस्टिंग, पार्ट्स एवं असेंबली से सम्बंधित कार्य व मेंटेनेंस के कार्य भी इसी में शामिल हैं। इतना ही नहीं, एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स का काम एनवायरनमेंट पर एयरक्राफ्ट के प्रभाव से लेकर तमाम रिस्क हैंडलिंग से भी जुड़ा होता है। साथ में फ्यूल एफिशिएंसी से रिलेटेड सब्जेक्ट्स में स्पेशलाइजेशन भी इन इंजीनियर्स का मुख्य शगल होता है। बता दें कि एयरक्राफ्ट सिस्टम्स की डिज़ाइन भी इनका महत्वपूर्ण कार्य होता है, जिसे एवियोनिक्स कहा जाता है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स मुख्य रूप से सुपरसोनिक जेट्स के साथ चापर्स, स्पेस शटल्स व सैटेलाइट्स एवं रॉकेट सर्च, सिलेक्शन का कार्य करते हैं। यह सिर्फ एक ब्रांच ही नहीं है, बल्कि एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के अलावा एरोस्पेस इंजीनियरिंग, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल साइंस, स्पेस इंजीनियरिंग एंड राकेट्री, एयरक्राफ्ट डिजाइन जैसी सब डिविजन भी इसी से मिलती जुलती होती हैं और इन अलग-अलग कार्यों में पढाई करने वाले इंजीनियर स्पेशलाइज्ड होते हैं। किसी भी कॅरियर को चूज करते समय यह आवश्यक है कि आप अपनी रुचि और योग्यता के साथ भविष्य में उससे जुड़ाव भी पैदा करें। बात जब हवा में रक्षा-सुरक्षा की हो तब और भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

घर बैठे करें यह 5 कोर्सेज और खुद को बनाएं अधिक काबिल

इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल्स में भी वीडियो एडिटर्स की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। यह सारी चीजें वीडियो एडिटर के तौर पर आपको अच्छा खासा पैसा दे सकती हैं। एक प्रोफेशनल के तौर पर भी आपके सामने वीडियो एडिटिंग के कई आप्शन उपलब्ध हैं। हमने आपने अक्सर इस बात को सुना होगा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और यह काफी हद तक सच भी है। अगर कोई व्यक्ति सीखना चाहे, कोई व्यक्ति कुछ नया करना चाहे तो निश्चित रूप से वह कभी भी यह कर सकता है। वर्तमान में कोविड 19 के कारण लोगों की जीवनचर्या में खासा परिवर्तन आ चुका है। तमाम स्कूल-कॉलेज लर्न फ्रॉम होम पर जोर दे रहे हैं, तो कई कंपनियां वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन अपने एम्पलाइज को दे रहे हैं। पर यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि कई लोगों की जॉब इस महामारी के कारण जा चुकी है, तो कई अपना प्रोफेशन चेंज करने को मजबूर हो गए हैं। ऐसे में उनके सामने कुछ नया करने के, कुछ नया सीखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। हालाँकि, जो लोग जॉब में हैं, वह भी सम्बंधित फिल्ड में नयी चीजें सीखकर आगे बढ़ सकते हैं। इसी कड़ी में आपको हम पांच कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जो घर बैठे आसानी से सीखे जा सकते हैं और इस तरह से आप अपने कॅरियर को धार दे सकते हैं।

कंटेंट राइटिंग

संभवत: यह ऐसी स्किल है, जो हर कोई थोड़ा बहुत जानता है। बचपन से ही किसी बच्चे को स्कूल में, कॉलेज में निबंध लिखना सिखाया जाता है। ज़ाहिर तौर पर आपके अंदर यह स्किल पहले से है और इंटरनेट पर बैठकर आप अपनी इसी स्किल को और ज्यादा अच्छे ढंग से शार्प कर सकते हैं। इसके लिए तमाम कोर्सेज फ्री हैं, तो कुछ पेड कोर्सेज भी आप कर सकते हैं। सबसे ज्यादा आसान रास्ता यह है कि आप नई-नई चीजों को लगातार पढ़ें, खासकर जिस तरह के कंटेंट आफ लिखना चाहते हैं, उस तरह का कंटेंट ज्यादा से ज्यादा पढना पड़ेगा। इसके अलावा कई सारी ऑनलाइन मीटिंग, वेबिनर इत्यादि हो रहे हैं, उस ऑनलाइन मीटिंग को अटेंड करें। कई सारे राइटर्स को आप पसंद करते होंगे, उन लेखकों से संपर्क करने की कोशिश करें और लगातार अभ्यास करें। टूटे-फूटे शब्दों में लिखते रहें और अपना एक छोटा सा ब्लॉग बनाकर उसे पब्लिश भी कर सकते हैं। अपने सोशल मीडिया पर आप यह कर सकते हैं। इन जगहों पर आपको आइडिया लग जाएगी कि वास्तव में कहां कमी है और आपकी कौन सी चीज अधिक मजबूत है।

वीडियो एडिटर

वर्तमान में यह सर्वाधिक चलने वाली चीज बन चुकी है। आप ने कई सफल यूट्यूबर की कहानी सुनी ही होगी। कई बार उन यूट्यूबर का वीडियो भी देखा होगा। आप यह जान लें कि एक सक्सेसफुल यूट्यूबर का रुतबा किसी प्रकार से एक सेलिब्रिटी से कम नहीं होता है। उसकी अपनी फैन-फॉलोइंग होती है, तो उसका टशन भी होता है। एक वीडियो एडिटर के तौर पर आपके सामने खुद का चैनल स्टार्ट करके एक सफल यूट्यूबर बनने का विकल्प होता है तो कई यूट्यूब चैनल्स में कार्य भी कर सकते हैं। इस प्रकार से तमाम इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल्स में भी वीडियो एडिटर्स की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। यह सारी चीजें वीडियो एडिटर के तौर पर आपको अच्छा खासा पैसा दे सकती हैं। एक प्रोफेशनल के तौर पर भी आपके सामने वीडियो एडिटिंग के कई आप्शन उपलब्ध हैं। तो क्यों ना आप खुद वीडियो एडिटिंग सीखें। इसके लिए कई सारे सॉफ्टवेयर मौजूद हैं, जिसमें फिल्मोरा, काइन मास्टर, इनशॉट्स इत्यादि का नाम गिनाया जा सकता है, तो प्रोफेशनल एडिटिंग सीखने के लिए आपको एडोब प्रीमियर प्रो या एप्पल का एफसीपी सीखना बेहतर रहेगा। जानकारी लेने के लिए आपके पास यूट्यूब पर तमाम कंटेंट फ्री में उपलब्ध हैं, तो पेड कंटेंट भी आप ले सकते हैं। अनअकेडमी, उडेमी इत्यादि जगहों पर बकायदे ट्यूटर आपको सिखा देंगे।

शेयर मार्केट के बारे में जानें

रातों-रात अमीर बनने के सपने शेयर मार्केट द्वारा कइयों के लिए संभव हुआ है। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, लेकिन शेयर मार्केट की एबीसीडी समझकर आप एक कंसल्टेंट के तौर पर जरूर कार्य कर सकते हैं और इस दुनिया में अपने नए सफर की शुरुआत भी कर सकते हैं। यह कॅरियर आपके लिए काफी लकी साबित हो सकता है। इसे सीखने के बाद आप पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब भी कर सकते हैं। हां, इसके लिए आपको थोड़ा अलर्ट रहना पड़ेगा और प्रोएक्टिव रहना पड़ेगा और तब जाकर आप इस मार्केट की बारीकियों को समझ पाएंगे। ऑनलाइन फ्री में आप इसके बारे में काफी कुछ सीख सकते हैं, जबकि उडेमी जैसी कई संस्थाएं आपको सर्टिफिकेट कोर्स करा सकती हैं, जिसके लिए वह थोड़ा-बहतु फीस भी चार्ज करती हैं।

वेब डिजाइन एंड डेवलपमेंट

आज भी इसकी अच्छी खासी जरूरत है। रेडीमेड टूल्स के जमाने में भी वेबसाइट बनाने वाले कंसल्टेंट्स की पूछ कम नहीं हुई है। यहां डिजाइन के लिए आपको एचटीएमएल की जरूरत पड़ती है, वहीं वेब डेवलपमेंट के लिए आपको पीएचपी जैसी किसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को चुनना होता है। हालाँकि, आज के समय में कई सारे सीएमएस यानी कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम, जैसे वर्डप्रेस, जुमला, द्रुपल इत्यादि सॉफ्टवेयर आते हैं, जो बेहद आसानी से इंस्टॉल भी हो जाते हैं और एक से बढ़कर एक फीचर इसमें ऑलरेडी इंक्लूड होते हैं। जाहिर तौर पर आपको इस फिल्ड की जानकारी लेनी पड़ेगी, किंतु यकीन मानिए अगर आप सच में सीखना चाहते हैं तो ऑनलाइन कई चीजें मुफ्त में सीख सकते हैं। कोई प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीख सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

म्यूजिक की दुनिया में जाएँ

गायन या किसी खास इंस्ट्रूमेंट को बजाना सीखना आपके लिए खासा रोचक साबित हो सकता है। यह लीक से हटकर जरूर है, लेकिन अगर आप किसी खास वाद्य-यंत्र को बजाने में सफलता हासिल कर लेते हैं तो आप इसे दूसरों को आसानी से सिखा सकते हैं या एक प्रोफेशनल के तौर पर आप इसे कॅरियर के तौर पर भी आजमा सकते हैं। अगर इन सब चीजों की आवश्यकता आप को नहीं होती है, तो भी आप को सुकून देने के लिए यह सबसे बेहतर रास्तों में से माना जा सकता है। अगर आप एक वाद्य यंत्र जैसे बांसुरी, हारमोनियम, गिटार या फिर ऐसी ही कोई चीज बजा लेते हैं, तो यकीन मानिये, आप पूरे जीवन भर खुद को कभी अकेला महसूस नहीं करेंगे। जाहिर तौर पर आप का शौक भी पूरा होगा और अगर आपको आवश्यकता महसूस होती है तो आप इसे कॅरियर के तौर पर भी आजमा सकते हैं। ऑनलाइन आप इसकी बारीकियां सीख सकते हैं, कोई कई जगह पेड कोर्सेज में भी एडमिशन ले सकते हैं।

सरकार की योजनाओं को आमजन तक पंहुचाने में सहायक बने ग्रामीण रथ

प्रत्येक गांव की चौपाल पर जाकर लोगों को देंगे योजनाओं की जानकारी- प्रभारी मंत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पंहुचाने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक जिले के विधानसभा की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित ग्रामीण रथ जहां योजनाओं का प्रचार प्रसार कर रहा है इसके साथ ही वहां मौजूद अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का कार्य भी कर रहें है। यह बात बुधवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंडावा विधानसभा क्षेत्र के नांद ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण रथ अभियान के दौरान आयोजित समारोह में की। जिले के प्रभारी मंत्री गहलोत ने कहा कि जिले में इन जागरूकता रथ के माध्यम से ग्राम से जुड़े 13 विभागों की विभिन्न योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2 साल में राज्य सरकार ने जो बेहतरीन कार्य किये है उनको जनता तक पंहुचाने तथा लोगों के सुझाव एवं समस्याओं को जानने के लिए अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि जनता में खुशी का माहौल है कि

सरकार के निर्देशानुसार प्रशासन गांव तक पंहुचकर उन्हें राहत पंहुचाने का कार्य किया जा रहा है। गौरतलब है कि जिले में रथ के माध्यम से अब तक 216 ग्राम पंचायतों के 40 हज़ार से अधिक लोगों से संवाद किया गया है। मंत्री गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में विकास की जो यात्रा देश और प्रदेश में चल रही है उसे निरंतर आगे बढाने का कार्य किया जाएगा।

निर्वतमान जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी ने कहा कि सरकार की ओर से जो प्रचार रथ प्रत्येक ग्राम में जा रहा है उसमें एक सुझाव पेटिका रखी गई है जिसमें आमजन अपने सुझाव दे सकते है, जो सीधे सरकार तक पंहुचेंगे। वहीं पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने मंडावा विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। जिला कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक एलईडी वाहन आंवटित किया गया है। एक एलईडी वाहन एक दिन में 3-5 गांवों में जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेगा। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, ट्राई साईकिल वितरण, पट्टा वितरण, बीमा क्लेम, अन्नप्राशन जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को दस्तावेज सौंपे गए। इस दौरान ग्रामीण रथ पर सरकार की योजनाओं की वीडियो क्लिप का भी प्रसारण किया गया तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस दौरान जिला परिषद के सीईओ कैलाश यादव, एसीईओ रामनिवास, सीडीईओ अशोक शर्मा, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, पीएचईडी एसई राजपाल सिंह, एवीवीएनएल एसी महेश टीबड़ा, मंडावा पंचायत समिति विकास अधिकारी अमित चौधरी, चिडावा प्रधान रोहिताश्व, विश्म्भर पूनियां सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

दहेज निषेध कानून को लेकर मुख्य सचिव ने डीसी के साथ की वीसी

सरकार ने दहेज निषेध अधिकारी के रूप में संबंधित एसडीएम को किया नियुक्त

दहेज लेना या देना गंभीर अपराधः डीसी अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार प्रदेश से दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए अब सख्त कार्रवाई करेगी। इसी क्रम में आज हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्य के सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक ली। इस बैठक में माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को जमीनी स्तर पर लागू करने के कड़े निर्देश दिए। बैठक के बाद डीसी अनुपमा अंजली ने बताया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक दहेज निषेध कानून की पहुंच बनाना और पीड़ितों को तुरंत मदद उपलब्ध कराना सरकार व जिला प्रशासन का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने पहले ही प्रदेश के सभी उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को उनके संबंधित क्षेत्रों में दहेज निषेध अधिकारी के रूप में नियुक्त कर दिया है। इस कानून का पालना कराने के लिए वे पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।उपायुक्त ने बताया कि आम जनता की सुविधा के लिए सभी संबंधित अधिकारियों के नाम, उनके सरकारी फोन नंबर और ईमेल आईडी को सार्वजनिक तौर पर प्रसारित किया जा रहा है ताकि शिकायतकर्ता को भटकना न पड़े। उन्होंने बताया कि इस मुहिम का उद्देश्य यह है कि हर नागरिक को पता हो कि दहेज की मांग करना, उसे लेना या देना एक गंभीर अपराध है और इसकी शिकायत सीधे उपमंडल स्तर के अधिकारी से की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के अजमल बेग बनाम उत्तर प्रदेश मामले में दिए गए हालिया फैसले का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि यह केवल फाइलों तक सीमित न रहकर मोहल्लों और गांवों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, ये दहेज निषेध अधिकारी न केवल दहेज की घटनाओं को रोकने का प्रयास करेंगे, बल्कि दोषियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाने और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकृत हैं। इस दौरान एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय अखाड़े में चमका बुहाना का सितारा: समीर तंवर ने जीता कांस्य पदक

अखिल भारतीय अंडर-17 ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

शास्त्री अखाड़ा सुलताना अहिरन में सिखाई जा रहे पहलवानी गुर की जादूगरी देश दुनिया में नाम रोशन कर रही है हाल ही में एक अनूठा उदाहरण पेश करते हुए बुहाना क्षेत्र के उभरते पहलवान समीर तंवर ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अखिल भारतीय अंडर-17 (2026) ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के प्रतिभाशाली पहलवानों ने भाग लिया। 71 किलोग्राम भार वर्ग में समीर ने कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। शास्त्री कुश्ती अखाड़े के संचालक एवं उनके गुरु पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री ने बताया कि समीर ने बचपन से ही अनुशासन, निरंतर अभ्यास, धैर्य और समर्पण के साथ मेहनत की है, जिसका परिणाम आज

राष्ट्रीय स्तर पर पदक के रूप में सामने आया है।

पहले भी जीत चुके हैं कई पदक

समीर का यह पहला बड़ा सम्मान नहीं है। इससे पहले भी वे अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता (68 किलोग्राम) में कांस्य पदक, अंडर-17 राष्ट्रीय स्कूली प्रतियोगिता में रजत पदक तथा राष्ट्रीय साई प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं। उनकी लगातार उपलब्धियां क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

परिवार और गुरुजनों को दिया श्रेय

समीर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादाजी हनुमान, माता-पिता, गुरु वीरेंद्र शास्त्री, ताऊ उम्मेद सिंह और ज्ञान सिंह को दिया। वहीं उनके पिता पवन सिंह तंवर ने कहा कि समीर बचपन से ही अनुशासित, संस्कारी और आज्ञाकारी रहा है, जिसने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया।

एशियन स्तर की तैयारी

गुरु वीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि समीर जल्द ही एशियन गेम्स की तैयारी के तहत लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जो उनके करियर के लिए एक और महत्वपूर्ण पड़ाव होगा।

क्षेत्र में खुशी, बधाइयों का तांता

समीर की इस उपलब्धि पर बुहाना आर्य समाज के प्रधान वीरसेन शास्त्री, विजय कुमार शास्त्री, जगदेव सिंह खरड़िया, सत्यनारायण ठेकेदार, पंचायत समिति प्रधान हरिकिशन यादव, नगरपालिका चेयरमैन देशराज, पूर्व सरपंच रोहतास, रतन सिंह तंवर, समाजसेवी भरत सिंह बोहरा, नरेश जी वकील, अर्जुन पीटीआई, पहलवान जितेंद्र, पवन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों, ग्रामीणों और युवाओं ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समीर तंवर की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपना परचम लहरा सकती हैं।

फौलादपुर विद्यालय में NALSA योजनाओं पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आपदा और एसिड पीड़ितों को मिलने वाली कानूनी सेवाओं की दी जानकारी, छात्र हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, फौलादपुर में बुधवार को विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पैरालीगल वॉलंटियर सुनील कुमार ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सुनील कुमार ने 'आपदा पीड़ितों को कानूनी सेवाएं योजना, 2010' के बारे में बताते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं से प्रभावित लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता, उचित मुआवजा एवं पुनर्वास का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने छात्रों को समझाया कि बाढ़, भूकंप या अन्य आपदाओं की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति किस प्रकार विधिक सेवा प्राधिकरण से मदद ले सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'एसिड पीड़ितों को कानूनी सेवाएं योजना, 2016' पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस योजना के तहत एसिड हमले के पीड़ितों को त्वरित कानूनी सहायता, निःशुल्क उपचार, सरकारी मुआवजा और पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। पीएलवी सुनील कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर, वंचित और पीड़ित वर्गों को न्याय तक सरल और सुगम पहुंच प्रदान करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित न रहे। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे इस जानकारी को अपने परिवार और आस-पड़ोस में भी साझा करें, जिससे जरूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य सरोज यादव, उप-प्राचार्य कृष्णा यादव, शिक्षिका मंजू बाई, नरेंद्र कुमार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। इसके अलावा सूरज, आयुष चौधरी, नितिन, हरीश, आयुषी, प्रियंका, मीनाक्षी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों ने इस जागरूकता कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में बचपन से ही कानूनी समझ विकसित करने और उन्हें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो एक सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण की मजबूत नींव है।

AWHO जमीन मामले पर चिड़ावा में पूर्व सैनिकों का विरोध, प्रोजेक्ट रद्द करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जयपुर में आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन की जमीन निजी बिल्डर को बेचे जाने के विरोध में चिड़ावा में पूर्व सैनिकों ने प्रदर्शन किया। सूबेदार रामनिवास थाकन के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सुरेश कुमार जांगिड़ को ज्ञापन सौंपा, जिसे रक्षा मंत्री, थल सेना अध्यक्ष और इंडियन एक्स सर्विसमैन लीग के नाम भेजा गया। पूर्व सैनिकों ने बताया कि अजमेर रोड स्थित यह जमीन सैनिकों के आवास के लिए खरीदी गई थी, लेकिन अब इसे निजी हाथों में सौंपा जा रहा है, जिसका उन्होंने विरोध किया। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट को तुरंत रद्द कर जमीन पर प्लॉटिंग कर पूर्व सैनिकों को ही आवास आवंटित किए जाएं। प्रदर्शन में कैप्टन प्रेमसिंह धायल, कैप्टन प्यारेलाल मीणा, सूबेदार सुरेश राव, हवलदार राजेंद्र कुमार, सूबेदार दरियासिंह सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहें।

मंडावर में ईंटों से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर और श्रद्धालुओ से भरी कार में हुई भीषण भिड़ंत

चकनाचूर हुई कार व दो फाड़ हुआ ट्रैक्टर पर सुरक्षित रहे सभी सवार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के अलवर-करौली राजमार्ग पर बुधवार तड़के उस वक्त कोहराम मच गया, जब मौत बनकर दौड़ रहे एक ईंटों से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर ने श्रद्धालुओं से भरी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया, वहीं श्रद्धालुओं की कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन कुदरत का करिश्मा देखिए कि इस रूह कंपा देने वाली टक्कर के बाद भी किसी की जान नहीं गई। उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद से मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के लिए मानो बालाजी महाराज स्वयं रक्षक बनकर खड़े हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे वन विभाग कार्यालय के सामने यह एक्सीडेंट हुआ। ओवरलोड ट्रैक्टर की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगते ही कार सड़क पर फुटबॉल की तरह घूमकर विपरीत दिशा में खड़ी हो गई और ट्रैक्टर पास ही स्थित नाले में जा गिरा। हादसे के बाद चारों ओर ईंटें बिखर गईं और चीख-पुकार मच गई, पर जब कार में सवार लोग और ट्रैक्टर चालक सुरक्षित बाहर

निकले तो लोगों ने दांतों तले उंगली दबा ली। क्षेत्र में ईंट भट्टों से निकलने वाले ये 'यमदूत' नुमा ट्रैक्टर-ट्रालियां स्थानीय पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा रहे हैं। कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत ये ट्रैक्टर धड़ल्ले से व्यवसायिक उपयोग में लिए जा रहे हैं और क्षमता से दुगनी ईंटें भरकर सड़कों पर सरपट दौड़ रहे हैं। ताज्जुब की बात तो यह है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद स्थानीय पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिसे लेकर ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। पूर्व में भी इन ओवरलोड वाहनों ने कई घरों के चिराग बुझाए हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं, जिससे इन अवैध परिवहन करने वालों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस की इस अनदेखी और ढुलमुल रवैये की अब पूरे कस्बे में चर्चायें हो रही है।

बल्ले से शॉट लगा विधायक राजेन्द्र ने किया नॉगल मीणा प्रीमियर लीग का आगाज़

नांगल मीणा में दूधिया रोशनी के बीच गूंजा 'जय जोहार', विकास हेतु 20 लाख की घोषणायें

खिलाड़ियों के लिए 51 हजार की सहयोग राशिः स्कूल में कमरों व हाईमास्क लाइट की सौगात से ग्रामीणों के खिले चेहरे।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के ग्राम नांगल मीणा में बुधवार की रात खेल और उत्साह के नाम रही, जहाँ 'नांगल मीणा प्रीमियर लीग 2026' के भव्य शुभारंभ ने दीपावली जैसा माहौल पैदा कर दिया। रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विधायक ने जब खुद बल्ला थामा और गेंद पर करारा शॉट लगाकर टूर्नामेंट का विधिवत आगाज़ किया, तो पूरा खेल मैदान तालियों की गड़गड़ाहट और 'विधायक जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा। ग्रामीण परिवेश के बीच आयोजित इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया, जिसे देख विधायक राजेन्द्र मंत्रमुग्ध नजर आए। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेन्द्र मीणा ने कहा कि नांगल मीणा के ग्रामीणों का यह आत्मीय स्वागत और अपार स्नेह उनके

लिए संजीवनी का काम करेगा। उन्होंने आयोजन में दिखे आपसी भाईचारे की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। इसी कड़ी में विधायक ने खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु 51 हजार रुपये की सहयोग राशि मौके पर प्रदान की। साथ ही गांव के राजकीय विद्यालय में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए नए कक्षा-कक्षों के निर्माण हेतु 15 लाख रुपये और गांव के चौराहे पर रोशनी के लिए 5 लाख रुपये की लागत से हाईमास्क लाइट लगवाने की घोषणा कर विकास का पिटारा खोल दिया। विधायक ने भावुक होते हुए कहा कि जनता का यही समर्थन उनकी असली पूंजी है और वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव संकल्पित हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, खेल प्रेमी और विभिन्न टीमों के खिलाड़ी मौजूद रहे।

लिखवा में 'परिंडा अभियान', 51 जलपात्र लगाकर पक्षियों को दी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

भीषण गर्मी के बीच पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लिखवा ग्राम पंचायत में 'एक परिंडा - अनेक जीवन' अभियान के तहत व्यापक पहल की गई। डॉ. पवन चौधरी के नेतृत्व में सरपंच सूबेदार बच्चन सिंह शेखावत के साथ अभियान की शुरुआत करते हुए पंचायत भवन परिसर में पहला परिंडा लगाया गया। इसके बाद युवाओं की टीम ने गांव के 51 स्थानों–बस स्टैंड, विद्यालय, पंचायत भवन, खेल मैदान और पेड़ों पर जलपात्र स्थापित किए। अभियान में 50 से अधिक युवाओं ने श्रमदान कर सक्रिय भूमिका निभाई। डॉ. चौधरी ने युवाओं को परिंडों में नियमित पानी भरने की जिम्मेदारी सौंपी और इसके लिए समन्वय व्यवस्था भी बनाई गई। सरपंच शेखावत ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि यह अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा बनेगी। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने टीम का सम्मान किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली, साथ ही मानसून में 500 पौधे लगाने का भी संकल्प लिया गया।

चौधरी अजीत सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राष्ट्रीय लोकदल के संस्थापक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर कस्बे के रालोद कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान प्रदेश सचिव सुरेंद्र सिंह राव ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभा में वक्ताओं ने चौधरी अजीत सिंह के कृषि, उद्योग और उड्डयन मंत्री रहते हुए किसानों, गरीबों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए किए गए कार्यों को याद किया और उनकी दूरदर्शी सोच पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गुलजारीलाल जानू, रामेश्वर सैनी, सुनील राव, हजारीलाल डांगी, महेंद्र जांगिड़, उमेद सिंह नेहरा, सुरेंद्र सिंह यादव, सिंगराम साईंवार, पूर्व पार्षद हीरा सिंह ढाका, अंकित राव सहित कई लोग मौजूद रहें।

चिड़ावा में एसर एक्सक्लूसिव स्टोर का शुभारंभ, एक ही छत के नीचे मिलेंगे सभी प्रोडक्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के गोल मार्केट स्थित एचपी गैस एजेंसी के पास शॉप नंबर 9-10 पर एसर एक्सक्लूसिव स्टोर का भव्य शुभारंभ किया गया।अग्रवाल कम्प्यूटर्स के प्रो. मनीष अग्रवाल गाड़ाखेड़ा ने बताया कि इस स्टोर के खुलने से अब चिड़ावा में टेक्नोलॉजी से जुड़े सभी एसर प्रोडक्ट एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। उद्घाटन अवसर पर एरिया बिजनेस मैनेजर अनुज गर्ग, अभिषेक कुमार पांडे और मुकेश कुमार की उपस्थिति में केक काटकर, फीता काटकर और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान मोहनलाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल सहित कई

गणमान्य लोग मौजूद रहे। स्टोर में गेमिंग लैपटॉप, ऑल-इन-वन पीसी, डेस्कटॉप, लैपटॉप, कीबोर्ड, माउस सहित एसर के सभी प्रकार के प्रोडक्ट ऑनलाइन कीमतों के बराबर ऑफर्स के साथ उपलब्ध रहेंगे, जिससे ग्राहकों को आधुनिक तकनीक का बेहतर लाभ मिलेगा।

लीना कुमारी को मिला 'सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार'

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्टार्टअप शिक्षा इंडिया फाउंडेशन ने किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शेखावाटी की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय पटल पर लगातार अपनी चमक बिखेर रही हैं। इसी क्रम में श्रीधर विश्वविद्यालय की छात्रा और विवेकानंद पब्लिक स्कूल चिड़ावा की कोच लीना कुमारी ने अपनी खेल उपलब्धियों से जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। लीना कुमारी को उनकी उत्कृष्ट खेल सेवाओं और उपलब्धियों के लिए वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। लीना कुमारी की खेल यात्रा संघर्ष और सफलता की मिसाल है।स्टार्टअप शिक्षा इंडिया फाउंडेशन द्वारा दिए गए इस राष्ट्रीय सम्मान से पूर्व उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा 'राजस्थान खेल गौरव पुरस्कार' से भी नवाजा जा चुका है। उनकी प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं कि चंडीगढ़ में आयोजित 9वीं राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग) में रजत पदक जीता। स्टूडेंट गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 7वीं नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता और 7वीं इंडोकिक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। भारतीय खेल प्राधिकरण (स्ड्ढ) द्वारा अलवर में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स (बोधगया, बिहार) में राजस्थान टीम की टीम मैनेजर के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। लीना कुमारी की इस ऐतिहासिक सफलता पर श्रीधर विश्वविद्यालय के सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. ओ.पी. गुप्ता ने कहा कि लीना की मेहनत ने अन्य विद्यार्थियों के लिए सफलता का नया मार्ग प्रशस्त किया है। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान खेल गौरव पुरस्कार विजेता आदित्य निर्मल, विश्वविद्यालय का समस्त स्टाफ और खेल जगत से जुड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। सभी ने लीना के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके अनुशासित खेल जीवन की सराहना की। वर्तमान में लीना विवेकानंद पब्लिक स्कूल में कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए नई पौध तैयार कर रही हैं।

■ लीना कुमारी न केवल एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, बल्कि एक कुशल कोच और छात्रा भी हैं। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कोच विक्रम सिंह, राष्ट्रीय महासचिव (भारतीय खेल विकास परिषद)

शूटिंग में प्रिंस पूनिया ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, राजस्थान का नाम रोशन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

भोपाल में आयोजित 24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट) में 50 मीटर थ्री पोजीशन राइफल स्पर्धा में प्रिंस पूनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। महज 14 वर्ष की उम्र में प्रिंस ने यह उपलब्धि हासिल कर जिले और राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। प्रिंस ने अपनी शूटिंग यात्रा पिलानी स्थित थार शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी से शुरू की थी। अंतरराष्ट्रीय प्रमाणित कोच धर्मेंद्र डूडी ने बताया कि प्रिंस ने दबाव के बीच लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित की है। वहीं पूर्व आर्मी कोच नरेंद्र डूडी ने कहा कि एशियन स्तर पर गोल्ड और अब नेशनल स्तर पर ब्रॉन्ज जीतना इस बात का संकेत है कि प्रिंस आने वाले समय में बड़े मंचों पर और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

अज्ञात कारणों से लगी आग, गोदाम में लाखों का नुकसान

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर भरतराज पीजी कॉलेज के सामने बुधवार अल सुबह एक बंद गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। जानकारी के अनुसार, शाकंभरी ट्रेडिंग कंपनी के योगेश कुमार गोयल ने बताया कि उन्होंने सीताराम अग्रवाल के मकान में गोदाम किराए पर ले रखा था। सुबह अचानक गोदाम से धुआं उठता देख पड़ोसियों ने तुरंत सूचना दी। सूचना मिलते ही पानी के टैंकर और खाटूश्यामजी से पहुंची दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा भारी मात्रा में सामान जलकर राख हो चुका था। आग में पारले-जी बिस्कुट के करीब 80 कार्टून, सॉस की 200 बोतलें, चिप्स, फूल झाड़ू, ग्वार, मेथी सहित अन्य किराना सामग्री नष्ट हो गई। घटना की सूचना पुलिस थाना रानोली को भी दी गई है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

कांग्रेस दिग्गजों का महवा में जोरदार अभिनंदनः डोटासरा व निजामुद्दीन का साफा पहनाकर किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा में जयपुर से सूरोठ जाते समय महवा स्थित हिंडौन रोड पुलिया के नीचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रदेश नेतृत्व का गर्मजोशी से स्वागत किया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन के महवा पहुंचने पर प्रदेश सचिव छोटूराम सांथा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उन्हें मालाओं से लाद दिया और राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर अभिनंदन किया। राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के नेताओं के स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आया और समूचा वातावरण कांग्रेसमय हो गया। इस मौके पर नेताओं ने कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। स्वागत समारोह में सांगानेर से विधानसभा प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज, भरतपुर जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा, डीग जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी, यूथ कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर शूरा सहित संगठन के कई कद्दावर चेहरे मौजूद रहे। स्थानीय स्तर पर शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखे जा रहे इस कार्यक्रम में महवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विष्णुसिंह कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष राजूलाल बैरवा, पार्षद प्रतिनिधि आसिफ महवा, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मनीराम समलेटी ने भी अपनी टीम के साथ भागीदारी निभाई।

जनगणना 2027: महवा में गूंजा 'जन कल्याण' का संकल्प, अब मोबाइल ऐप के जरिए लिखा जाएगा प्रदेश की तरक्की का नया अध्याय

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । देश की 16वीं और पहली ऐतिहासिक डिजिटल जनगणना 2027 को लेकर अब मरुधरा के आंगन में तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। महवा कस्बे के नगरपालिका मीटिंग हॉल में उपखण्ड जनगणना अधिकारी एवं एसडीएम मनीषा रेशम के कड़े निर्देशन तथा चार्ज अधिकारी ईओ प्रमोद कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के विकास की नई इबारत लिखने वाले 80 प्रगणकों और 13 पर्यवेक्षकों को डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ गणना की बारीकियों से रूबरू कराया गया। मास्टर ट्रेनर संजय शर्मा और रामवीर मीना ने संभागियों को 'एचएलओ' ऐप की तकनीकी दुनिया की सैर कराते हुए बताया कि किस तरह इस बार ले-आउट मैप से लेकर डेटा सत्यापन तक का सारा काम हाईटेक अंदाज में होगा। डिजिटल इंडिया के इस महाअभियान में नजरी नक्शों की सटीकता पर विशेष जोर दिया गया ताकि महवा का कोई भी घर या ढाणी इस राष्ट्रीय गिनती से अछूता न रहे। प्रकोष्ठ प्रभारी रोहिताश कुमार शर्मा ने अभियान की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि आगामी 1 मई से 15 मई 2026 तक आमजन को 'स्व-गणना' के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिसके बाद 16 मई से 14 जून तक प्रगणक घर-घर दस्तक देंगे। इस दौरान न केवल मकानों की गिनती होगी, बल्कि प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए मकान की निर्माण सामग्री, पेयजल के स्रोत, शौचालय की सुविधा, प्रकाश, ईंधन और संपत्ति जैसे महत्वपूर्ण सवाल भी पूछेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों द्वारा दी गई यह तमाम सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। प्रशिक्षण के समापन सत्र में ईओ प्रमोद शर्मा ने सभी प्रगणकों को कर्तव्य पथ पर अडिग रहने का आह्वान किया और उन्हें 'सेवा भाव प्रतिज्ञा' की शपथ दिलाई। इस मौके पर संगीता, रामलखन, आशीष, हेमराज और यतेश रावत सहित कई कार्मिक मौजूद रहे।

लोक संस्कृति के ध्वजवाहक वैद्य नंदराम महाशय का निधन, क्षेत्र ने खोया ओजस्वी स्वर

दक्षिणी हरियाणा-राजस्थान में रागिनी के माध्यम से जागरण करने वाले संतस्वर व्यक्तित्व को अश्रुपूरित विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

दक्षिणी हरियाणा और राजस्थान की लोक संस्कृति को अपनी ओजस्वी वाणी से जन-जन तक पहुंचाने वाले प्रख्यात लोकगायक एवं समाजसेवी वैद्य नंदराम महाशय का 5 मई की दोपहर आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। पैतृक गांव बलाहा में वैदिक परंपरा और आर्य समाज की रीति-रिवाज के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। वैद्य नंदराम महाशय केवल एक लोकगायक ही नहीं, बल्कि लोक संस्कृति के सच्चे संगवाहक और सामाजिक चेतना के प्रेरक थे। अपनी ओजस्वी रागिनी, भजन और वीर रस की कविताओं के माध्यम से वे न केवल लोक रंजन करते थे, बल्कि धर्म, संस्कृति और समाज के प्रति जागरूकता का संदेश भी देते थे। उनके कार्यक्रमों में देशभक्ति, नैतिकता और संस्कारों की गूंज साफ सुनाई देती थी। रेडियो सिंगर के रूप में भी अपनी पहचान बना चुके महाशय ने अनेक सांस्कृतिक मंचों पर अपनी विशिष्ट प्रस्तुति से लोगों के दिलों में खास स्थान बनाया। विशेष रूप से अमर सिंह राठौर की कथा उनके द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली लोकप्रिय प्रस्तुतियों में शामिल रही, जिसे श्रोता आज भी भावुक होकर याद करते हैं। वे अकेले ही मंच पर अपनी वीर रस की कविताओं से समा बांध देने की अद्भुत क्षमता रखते थे। उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण, सात्विक और आध्यात्मिक मूल्यों से ओतप्रोत रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मिलने वाले उपहार एवं पुरस्कारों को उन्होंने सदैव गौ सेवा, धार्मिक अनुष्ठानों और शिक्षा के प्रचार-प्रसार में समर्पित किया। वे मानते थे कि संस्कृति और शिक्षा ही समाज को सही दिशा में आगे बढ़ा सकती है।

वैद्य नंदराम महाशय ने अपने जीवनकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरण और संस्कारों के प्रसार में जो योगदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने ग्रामीण अंचल में जन-जागरण की अलख जगाई और मानवता को सकारात्मक दिशा देने का सतत प्रयास किया। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनकी ओजस्वी वाणी और सांस्कृतिक योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

'संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ता राजस्थान: स्वच्छता में लापरवाही पर सख्त चेतावनी '

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट बाड़मेर में स्वच्छता संबंधी बैठक लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान विकास और स्वच्छता के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा 'स्वच्छ राजस्थान, विकसित राजस्थान' का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। बैठक में घर-घर कचरा संग्रहण में अनियमितता पर नाराजगी जताते हुए गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति तुरंत नहीं सुधरी तो संबंधित अधिकारियों व ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने मृत पशुओं के निस्तारण, सीवरेज कार्य, कचरा सेग्रीगेशन और शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। गुप्ता ने स्वच्छता कार्यों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने पर जोर देते हुए निकायों को ए, बी, सी और डी श्रेणियों में बांटने की जानकारी दी। साथ ही घर-घर कचरा संग्रहण, नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, प्लास्टिक पर नियंत्रण और खाली प्लॉट्स की सफाई जैसे पांच प्रमुख बिंदुओं पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए।

मंडावर में जनगणना का शंखनादः डिजिटल सारथी बनेंगे प्रगणक, तहसीलदार ने दिलाई निष्ठा की शपथ

आंकड़ों के महाकुंभ' के लिए ब्लॉक में कसी कमर, मोबाइल ऐप से होगी घर-घर की गिनती।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मरुधरा की माटी में अब डिजिटल क्रांति के साथ जनगणना का बिगुल बज चुका है। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में जनगणना 2027 को लेकर आयोजित ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में ग्रामीणों के भविष्य की इबारत लिखने वाले फील्ड ट्रेनर्स को मास्टर ट्रेनर्स ने आंकड़ों की बाजीगरी सिखाई। व्याख्याता पूरणमल गुप्ता और इंद्रेश कुमार पालीवाल ने प्रशिक्षण की कमान संभालते हुए संभागियों को बताया कि जनगणना केवल सिरों की गिनती नहीं, बल्कि आने वाले कल की योजनाओं का मजबूत आधार है। प्रशिक्षण में नक्शा निर्माण यानी 'ले-आउट मैप' की बारीकियों को समझाते हुए स्पष्ट किया गया कि कोई भी ढाणी या मजरा गणना से अछूता न रहे।

डिजिटल इंडिया के इस दौर में इस बार कागज-कलम की जगह 'एचएलओ' (॥स्ह्र) ऐप प्रगणकों का मुख्य हथियार होगा, जिसके जरिए डेटा संग्रहण का कार्य रियल टाइम में संपन्न किया जाएगा। शिविर के दौरान ऐप इंस्टॉलेशन से लेकर अनुसूची भरने और स्व-गणना की जटिल प्रक्रियाओं को रोल-प्ले के माध्यम से सहजता से समझाया गया, ताकि फील्ड में प्रगणकों को किसी भी तकनीकी बाधा का सामना न करना पड़े। मास्टर ट्रेनर्स ने सीएमएमएस (ष्टरूरूस्) पोर्टल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शुद्ध और सटीक आंकड़े जुटाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव पर एसडीएम अमित कुमार वर्मा और तहसीलदार अक्षय प्रेम चेयरवाल ने अपनी गौरवमयी उपस्थिति में सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को राष्ट्र सेवा और पूर्ण पारदर्शिता की शपथ दिलाई। प्रशासनिक अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह एक राष्ट्रीय महत्ता का कार्य है जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर ब्लॉक के विभिन्न विभागों के कर्मठ कार्मिक और शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरी निष्ठा के साथ इस महाअभियान में आहुति देने का संकल्प लिया।

कार्यालय- रा . उ. मा. विद्यालय अलीपुर, (झुन्झुनूं)

क्रमांक :- 1212 दिनांक 02.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 22/05/2026 को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दो लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
रा. उ. मा. विद्यालय अलीपुर, (झुन्झुनूं)

कार्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशोरपुरा , झुन्झुनूं

क्रमांक :- 1666 दिनांक 02.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 29/05/2026 को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दो लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
कार्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशोरपुरा, झुन्झुनूं

कार्यालय- रा . उ. मा. विद्यालय गिडानिया, ब्लॉक चिड़ावा (झुन्झुनूं)

क्रमांक :- 432 दिनांक 02.05.2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) चिड़ावा के आदेश क्रमांक 158 दिनांक 02.05.2026 की अनुपालना में दिनांक 26/05/2026 को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में विद्यालय की आइसीटी लैब के नाकारा/अक्रियाशील उपकरणों की सार्वजनिक नीलामी जिसका पुस्तक क्रय मूल्य 286950 रू. (दो लाख छियासी हजार नौ सौ पचास रूपये) है, इस हेतु गठित कमेटी द्वारा की जायेगी। जिसमें इच्छुक ई-वेस्ट निस्तारण रजिस्ट्रड एवं जीएसटी धारक व्यक्ति/फर्म नियमानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी की शेष शर्ते कार्यालय समय में विद्यालय में देखी जा सकती हैं।

प्रधानाचार्य
रा. उ. मा. विद्यालय गिडानिया, ब्लॉक चिड़ावा (झुन्झुनूं)

ग्रामीण रथ अभियान: योजनाएं अब गांव-गांव, ग्रामीण रथ से गांव-गांव पहुंचेगी सरकार की योजनाएं

लाभार्थियों को मौके पर ही दिए गए योजनाओं के दस्तावेज,समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान

सुझाव पेटिका के जरिए जनता की बात सीधे सरकार तक, किसानों को जागरूक और सशक्त बनाने पर जोर

मंडावा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नांद में अभियान का भव्य आयोजन

13 विभागों की योजनाओं का एक साथ प्रचार-प्रसार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए 'ग्रामीण रथ अभियान' जोर-शोर से चल रहा है। इसी कड़ी में आज मंडावा विधानसभा क्षेत्र के नांद ग्राम पंचायत में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी किया गया। मंडावा में आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि जिले में चल रहे इस अभियान के तहत 13 विभागों की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। साथ ही अधिकारियों द्वारा मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 'सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता है। किसान जागरूक और सक्षम बनेगा तो प्रदेश भी खुशहाल बनेगा।' इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व जिला प्रमुख व भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी ने बताया कि हर ग्रामीण रथ में सुझाव पेटिका रखी गई है, जिससे आमजन सीधे सरकार तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। वहीं जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने जानकारी दी कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक एलईडी वाहन लगाया गया है, जो रोजाना 3 से 5 गांवों में जाकर लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रधानमंत्री आवास योजना, ट्राई साइकिल वितरण, पट्टा वितरण, बीमा क्लेम और अन्नप्राशन जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को मौके पर ही दस्तावेज सौंपे गए। कार्यक्रम में ग्रामीण रथ पर योजनाओं से जुड़ी वीडियो क्लिप्स का प्रदर्शन किया गया और स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। ग्रामीण रथ अभियान के जरिए सरकार न केवल योजनाओं का प्रचार कर रही है, बल्कि गांव स्तर पर समस्याओं के समाधान और सुझाव लेने की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ा रही है। इस दौरान जिला परिषद के सीईओ कैलाश यादव, एडिशनल एसपी देवेंद्र सिंह, डिप्टी हरिसिंह धायल, सरपंच राजपाल, सीताराम सैनी, महावीर ढाका, संजय मील, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, सीएमचओ छोटेलाल, एसीईओ रामनिवास, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार, चिडावा प्रधान रोहिताश्व, विश्म्भर पूनियां, मलसीसर एसडीएम सुमन मंडावा एसडीएम मुनेश कुमारी,विकास अधिकारी अमित चौधरी,महेंद्र चंदवा, मुकेश झाझडिया, अमित कुमार सहित बडी संख्या में गणमान्यजन, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

सीजेएम नीलम कुमारी ने नसीबपुर सीनियर सिटीजन होम का किया निरीक्षण

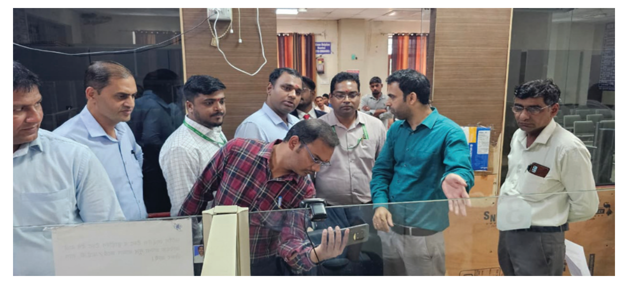

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बुधवार को नसीबपुर स्थित सेवा सीनियर सिटीजन होम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों के रहन-सहन और उन्हें दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सचिव नीलम कुमारी ने वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बुजुर्गों से पूछा कि उन्हें समय पर भोजन, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए और उनके मानसिक शांति के लिए उचित वातावरण तैयार किया जाए। सीजेएम ने वृद्धाश्रम की रसोई और कमरों का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई पर विशेष संतोष व्यक्त किया। साथ ही निर्देश दिए कि गर्मियों के मौसम को देखते हुए शुद्ध पेयजल और कूलर आदि की समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की धरोहर हैं और उनकी सेवा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और 'माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम' के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी बुजुर्ग को किसी प्रकार की कानूनी सहायता की आवश्यकता है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 या कार्यालय के माध्यम से मुफ्त कानूनी मदद प्राप्त कर सकते हैं।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर ड्राई डे घोषित, शराब बिक्री पर रहेगी पूर्ण पाबंदी: डीडीपीओ

10 मई को मतदान, 48 घंटे पहले से लेकर मतगणना तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला में पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव को लेकर प्रशासन ने सख्त आदेश जारी किए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं डीडीपीओ अनूप सिंह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के तहत 10 मई, 2026 को मतदान होगा तथा आवश्यकता पड़ने पर 12 मई, 2026 को पुनर्मतदान कराया जाएगा। मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत बाद की जाएगी। डीडीपीओ अनूप सिंह ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न करवाने के लिए संबंधित क्षेत्रों में ड्राई डे घोषित किया गया है। आदेशों के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों तथा उनसे तीन किलोमीटर की परिधि में स्थित सभी शराब ठेके, बार, पब, होटल, रेस्टोरेंट व अन्य लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 8 मई, 2026 को शाम 6 बजे से ड्राई डे लागू हो जाएगा, जो 10 मई को मतदान समाप्ति एवं मतगणना पूरी होने तक प्रभावी रहेगा। यदि किसी क्षेत्र में पुनर्मतदान होता है तो संबंधित क्षेत्र में 12 मई, 2026 तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। डीडीपीओ ने स्पष्ट किया कि इस अवधि के दौरान अवैध रूप से शराब के भंडारण एवं बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। बिना लाइसेंस वाले स्थानों पर शराब रखने या बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें।

जाखल पुलिस की कार्रवाई: 10 बोतल अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । जाखल थाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 बोतल अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान मंदीप पुत्र भोला सिंह निवासी गांव ढेर, तहसील टोहाना के रूप में हुई है। थाना जाखल प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम जाखल से तलवाड़ा मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान 'सच कैंटीन' के पास एक व्यक्ति कंधे पर प्लास्टिक की कैनी लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह घबराकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजूद सफेद रंग की प्लास्टिक कैनी से 10 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना जाखल में आबकारी अधिनियम की धारा 61-4-2020 के तहत मुकदमा नंबर 54/2026 दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद शराब को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस जमानत पर रिहा कर दिया गया।

दहेज मांगने पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई, शिकायत मिलते ही प्रशासन करेगा तुरंत एक्शन

एडीसी अनुराग ढालिया ने दिए निर्देश -जागरूकता बढ़ाने के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें अधिकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला प्रशासन दहेज प्रथा के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए अब शिकायत मिलने पर तुरंत कानूनी कार्रवाई करेगा। एडीसी अनुराग ढालिया ने स्पष्ट किया कि दहेज मांगने, लेने या देने से जुड़े मामलों में किसी भी तरह का दबाव किसी पक्ष पर न हो इसका विशेष ध्यान रखें। एडीसी ने बताया कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के तहत दहेज लेना, देना या इसके लिए उकसाना एक दंडनीय अपराध है, जिसमें कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तर पर दहेज निषेध अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है, ताकि मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित हो सके। एडीसी अनुराग ढालिया ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि दहेज मामलों में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और आमजन को इस संबंध में अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। उन्होंने बताया कि दहेज से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत पीड़ित महिला या उसके परिजन जिला प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों पर दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, जिला के सभी एसडीएम को दहेज निषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है, जहां भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। एडीसी ने महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दहेज से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि दहेज न केवल एक सामाजिक कुप्रथा है, बल्कि यह कानूनन अपराध भी है, जिसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी विभागों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा के उन्मूलन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक संस्थाओं और पंचायत विभाग के सहयोग से समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए ताकि समाज में इस कुप्रथा के खिलाफ मजबूत माहौल तैयार किया जा सके।

बैठक में एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, एसडीएम रतिया सुरेंद्र सिंह, डीएसपी संजय कुमार, डीपीओ कविता, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीआईओ सिकंदर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने उपायुक्त से जानी सुशासन की बारीकी

डिजिटल सेवाओं और परिवार पहचान पत्र के माध्यम से पात्रों तक सीधा लाभ पहुंचा रहा हरियाणा: अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद के 33वें प्रोफेशनल ट्रेनिंग कोर्स के तहत विभिन्न केंद्रीय सेवाओं के ग्रुप 'ए' प्रशिक्षु अधिकारियों के एक दल ने बुधवार को महेंद्रगढ़ की उपायुक्त अनुपमा अंजलि से शिष्टाचार मुलाकात की। तीन दिवसीय जिला प्रवास पर आए इन युवा अधिकारियों ने जिला सचिवालय में डीसी के साथ आयोजित विशेष सत्र के दौरान हरियाणा सरकार के प्रशासनिक ढांचे, ई-गवर्नेंस मॉडल्स और जमीनी स्तर पर नीतियों के क्रियान्वयन की कार्यप्रणाली को गहराई से समझा। इस अवसर पर उपायुक्त अनुपमा अंजली ने अधिकारियों को 'डिजिटल हरियाणा' के विजन से रूबरू करवाते हुए बताया कि प्रदेश आज ऑनलाइन सरकारी सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से 'परिवार पहचान पत्र' (पीपीपी) की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस डेटाबेस के जरिए सरकार अब पात्र नागरिकों को बिना किसी औपचारिक आवेदन के सीधे उनके घर द्वार पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कर रही है। डीसी ने स्पष्ट किया कि तकनीक के इस समावेश से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आई है, बल्कि आमजन का सरकारी तंत्र पर विश्वास भी बढ़ा है। उपायुक्त ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक कुशल नीति-निर्माता के लिए यह आवश्यक है कि वह फाइल वर्क के साथ-साथ धरातल की चुनौतियों को भी समझे। उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों के बारे में विस्तार से चर्चा की। डीसी ने बताया कि किस प्रकार जिला प्रशासन तकनीक का उपयोग कर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति यानी 'अंत्योदय' के सपने को साकार करने में जुटा है।

मुलाकात के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने हरियाणा के सेवा वितरण मॉडल को लेकर अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं, जिनका उपायुक्त ने विस्तार से उत्तर दिया। इस मौके पर नगराधीश डॉ मंगलसेन तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार भी मौजूद रहें।

स्व. विशंभरदयाल बौहरा के सपनों से शिक्षा का उजास, बौहराज स्कूल ने पूरे किए सफलता के 20 वर्ष

पूर्व विधायक स्वर्गीय विश्वंभर दयाल बोहरा की सोच को परिवार ने बनाया मिशन

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाने का जो सपना कभी क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय विश्वंभरदयाल बौहरा ने देखा था, वह आज मजबूत हकीकत बनकर नई पीढ़ियों के भविष्य को संवार रहा है। बालाजी महाराज की कृपा और आशीर्वाद से बौहराज स्कूल ने सफलता के साथ अपने 20 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। शिक्षा के इस सफर ने ना केवल हजारों विद्यार्थियों को नई दिशा दी, बल्कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ऐसा वातावरण तैयार किया जिसने गांव-कस्बों के अभिभावकों का भरोसा भी जीता है। विद्यालय के निदेशक विनय बौहरा एवं सह निदेशक विकास बौहरा ने बताया कि यह उपलब्धि केवल एक संस्थान की नहीं, बल्कि पूरे बौहरा परिवार, क्षेत्रवासियों और उन अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है जिन्होंने पिछले दो दशकों में विद्यालय को निरंतर सहयोग और स्नेह दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता प्रेम देवी बौहरा एवं विजयशंकर बौहरा के आशीर्वाद और परिवार के संस्कारों ने इस शैक्षणिक यात्रा को मजबूती प्रदान की। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर स्वर्गीय विश्वंभरदयाल बौहरा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका सपना केवल एक स्कूल खोलना नहीं था, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को ऐसा मंच देना था जहां गांव का बच्चा भी बड़े सपने देखने का हौसला जुटा सके। यही कारण रहा कि बौहराज ग्लोबल स्कूल ने इन वर्षों में शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को भी अपनी पहचान बनाया। 20 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा को विद्यालय परिवार उत्सव के रूप में मनाने जा रहा है। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता की झलक दिखाई देगी। विद्यालय परिवार का कहना है कि स्वर्गीय विशंभरदयाल बौहरा की अमूल्य विरासत को आगे बढ़ाते हुए आने वाले वर्षों में भी शिक्षा का दीपक इसी तरह जलता रहेगा और क्षेत्र का हर बच्चा बेहतर भविष्य की ओर उड़ान भरता रहेगा।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने जानी हरियाणा मॉडल की बारीकी

स्कूल से लेकर सरल केंद्र तक धरातल पर देखा सुशासन का बदलता स्वरूप

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद के 33वें प्रोफेशनल ट्रेनिंग कोर्स के तहत भारतीय नागरिक लेखा सेवा, रक्षा लेखा सेवा, डाक एवं दूरसंचार लेखा और लागत लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज से अपने तीन दिवसीय जिला प्रवास का विधिवत आगाज किया।डीआईओ प्रशांत कुमार की मौजूदगी में इस दल ने प्रशासनिक तंत्र की कार्यकुशलता और जमीनी स्तर पर नीतियों के क्रियान्वयन का गहन अवलोकन किया।अधिकारियों के इस दल ने अपने प्रवास के प्रथम दिन की शुरुआत अटेली खंड के सुराना गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय से की। अधिकारियों ने वहां शिक्षकों और अभिभावकों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने न केवल शिक्षा के स्तर को परखा, बल्कि ग्रामीण परिवेश में शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान और चुनौतियों को भी समझा। अधिकारियों ने भविष्य की वित्तीय और प्रशासनिक नीतियों को जनभावनाओं से जोड़ने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। ग्रामीण भ्रमण के बाद प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों का दल जिला सचिवालय स्थित सरल केंद्र पहुंचा, जो वर्तमान में हरियाणा सरकार के डिजिटल इंडिया विजन का प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। अधिकारियों ने देखा कि किस प्रकार तकनीक के समावेश से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और आम नागरिक को एक ही छत के नीचे सैकड़ों सरकारी सेवाएं सुलभ हो रही हैं। सरल केंद्र की ऑनलाइन कार्यप्रणाली को समझने के साथ-साथ दल ने एसडीएम, तहसीलदार और नागरिक अस्पताल के विशेषज्ञों के साथ विभागीय कामकाज पर लंबी चर्चा की। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि इस दौरे का उद्देश्य इन भावी नीति-निर्माताओं को यह समझाना है कि अंत्योदय सरल और सक्षम हरियाणा जैसी योजनाएं केवल कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव का माध्यम हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा क्रुणाल पंड्या

ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिक के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पांचवें स्थान से हटाया। इसके साथ ही वह केएल राहुल, अभिषेक शर्मा, हाइनरिक क्लासन और वैभव सूर्यवंशी के साथ IPL 2026 में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। सैमसन के इस सीजन 10 पारियों में 402 रन हो गए हैं। उनका औसत 57.42 और स्ट्राइक रेट 167.50 का है। बुधवार रात सनराइजर्स हैदाबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार अब भी 17 विकेट के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उनके बाद अंशुल कम्बोज (चेन्नई सुपर किंग्स, 17 विकेट), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस, 16 विकेट), जोफ्रा आर्चर (राजस्थान रॉयल्स, 15 विकेट) और इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद, 15 विकेट) शामिल हैं। कम्बोज ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अलग-अलग फेज में गेंदबाजी की, लेकिन अपने चार ओवर में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

हार से निराश अक्षर बोले, 10 से 15 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता

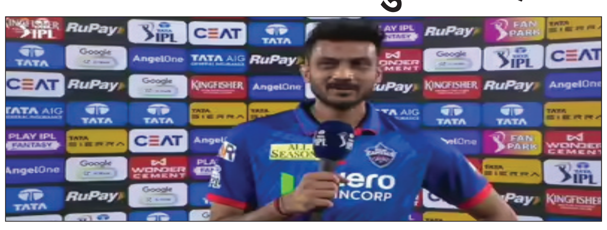

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। अक्षर ने कहा कि अगर हम 10 से 15 रन और बनाते तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। इस मैच में हार से दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम हुई हैं। अक्षर ने कहा कि155 रन का स्कोर बचाव के लिए अच्छा था हालांकि टीम 10-15 रन और बनाती तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा नए बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि गेंद रुककर आ रही थी और कभी नीची तो कभी असामान्य उछाल ले रही थी। हालांकि, उन्होंने सीएसके के बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज क्रीज पर सेट हो जाता है, तो विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर महसूस होने लगता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन से पीछे रह गए।

सैमसन ने धीमी और गेंदबाजों की सहायक पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा बनाए गए सात विकेट पर 155 रन के लक्ष्य को सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा है और वह 10 मैचों में पांचवीं जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को इतने ही मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा है और आठ अंकों के साथ वे सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी के दौरान कुलदीप यादव की कमी महसूस हुई।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

-बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो तब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), 10 और 15 मई को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मई को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं

हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स , सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमें अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमें 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पक्का कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बेंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरुरी होगा। । कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरुरत है।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें। रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे।

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली । भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर । यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम , अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।

बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 - शुक्रवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

बुमराह से ब्रेक की जरुरत को लेकर बात करें प्रबंधन : बांगड़

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खराब फार्म से सभी हैरान है। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे बुमराह की गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं पर वह विकट नहीं ले पा रहे। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान हुआ है और वह केवल 6 अंक लेकर नौवे स्थान पर है। ऐसे में कहा है कि उन्हें अब आराम दिया जाना चाहिये। वहीं इस मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने टीम प्रबंधन से कहा है कि वह बुमराह से सीधे बात करे और उनसे आराम लेने को लेकर पूछे। उनसे पूछें, क्या वह पूरी तरह से फिट है या फिर उनहें आराम की जरुरत है। अगर वह आराम चाहते हैं तो लें और तरोताजा होकर वापसी करें। उन्होंने जोर दिया कि यह एक ईमानदार बातचीत होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेलने के लिए तैयार हैं।बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सत्र खराब जाना हो। उन्होंने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं। बांगड़ के अनुसार, बुमराह की विफलता प्रयास की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। बुमराह के लिए यह असामान्य है कि वह पहले दो ओवरों में 31 रन दें। वह पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज से दिखता है कि वह परेशान हैं। बांगड़ ने यह भी कहा कि उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उन्हें दूसरे ओवर में गेंद दी गई और फिर चौथे ओवर में। मेरा मानना है कि अपने सबसे अच्छे गेंदबाज को शुरुआत में ही दो अच्छे ओवर पहला और तीसरा देने चाहिए।

हमारा वर्ल्ड कप होस्ट 'फीफा है, ट्रंप या अमेरिका नहीं', ईरान का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। तेहरान -ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट 'फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका' और उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है। अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

ईरानी एफए के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह वैंकूवर में फीफा कांग्रेस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौट आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आव्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीजा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज़ में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे।

IRGC की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी और यह देश में एक प्रमुख सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति बन गया है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका में इस समूह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फीफा के महासचिव मैटियस ग्राफस्ट्रॉम ने 'असुविधा और निराशा' के लिए खेद व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा और ईरान को 20 मई को ज़्यूरिख में उनके वर्ल्ड 'कप की तैयारियों के बारे में बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

ताज, जो IRGC के एक उच्च पदस्थ अधिकारी रह चुके हैं, ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि वे वर्ल्ड कप में ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाले व्यवहार के बारे में शासी निकाय से आश्वासन मांगेंगे। ताज ने कहा, 'हमें अपनी यात्रा के लिए वहाँ एक गारंटी चाहिए कि उन्हें हमारी व्यवस्था के प्रतीकों - विशेष रूप से आईआरजीसी - का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसी कोई गारंटी मिलती है और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से ली जाती है, तो कनाडा में हुई जैसी घटना फिर कभी नहीं होगी।'

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई के बीच मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे। ईरान के दो मैच लॉस एंजेलिस में होने हैं - 15 जून को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ; इसके बाद 26 जून को सिएटल में उसका मुकाबला मिस्र से होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माकर रूबियो ने पिछले हफ़्ते कहा था कि IRGC से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश में आने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

ताज ने कहा, 'हम वर्ल्ड कप में जा रहे हैं, जिसके लिए हमने क्वालिफ़ाई किया है; और हमारे मेजबान फीफा है - न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका। अगर वे हमारी मेजबानी स्वीकार करते हैं, तो उन्हें यह भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

ऐसा करते हैं, तो जाहिर है, वैसी ही स्थिति पैदा हो सकती है जैसी कनाडा में हुई थी - जहां ऐसी संभावना बन गई थी कि हमें वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए, इस तरह की गारंटी ज़रूर होनी चाहिए ताकि हम पूरी तरह से निश्चिंत होकर वहाँ जा सकें।'

अमेरिका और इजरायल ने फरवरी में ईरान पर हवाई हमले किए थे। 211 सदस्य देशों में से ईरान एकमात्र ऐसा फीफा संघ था जिसका वैंकूवर में हुई फीफा कांग्रेस में कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि ईरान अमेरिका जाएगा और तय कार्यक्रम के अनुसार ही अपने मैच खेलेगा - भले ही मार्च में ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड । स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। । ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी । खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है।

'ग्लोरी' के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

वेब सीरीज 'ग्लोरी', भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक ड्रामा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, जन्नत जुबैर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुप्ता, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।

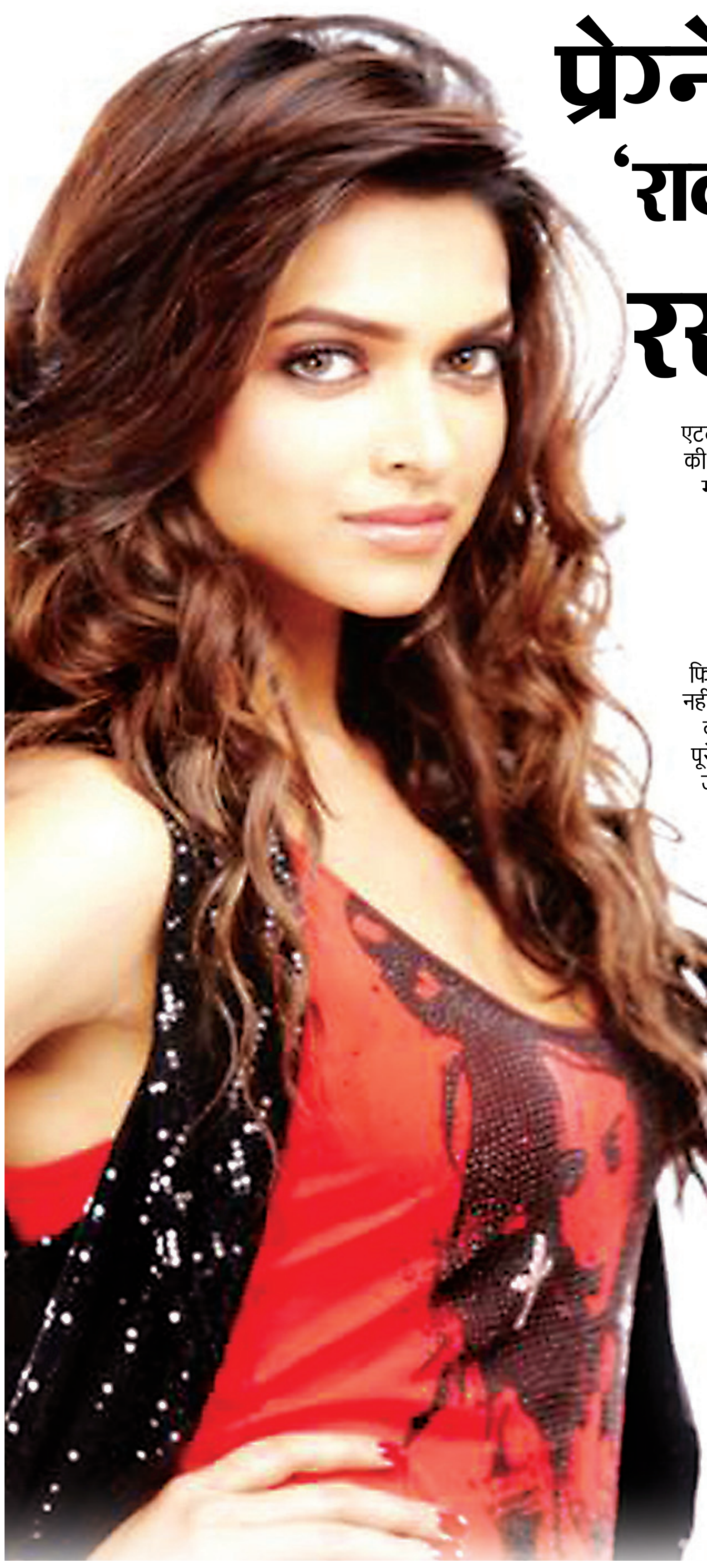

प्रेग्नेंसी के बावजूद 'राका' की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'राका' को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल ट्रैक भी वैसा ही रखा गया है।

रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके सीन में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, 'दीपिका की फिल्म में शानदार एंट्री है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसे ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।' पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटेंस एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।

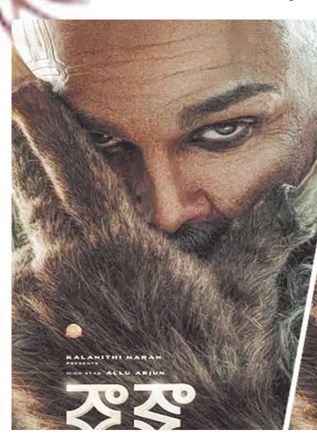

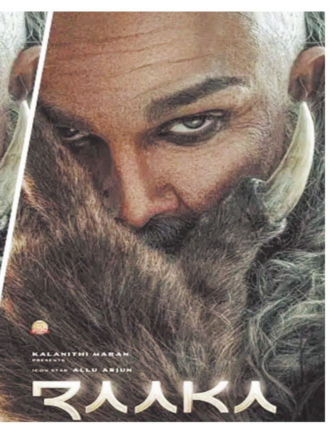

ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'

अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।

जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो। अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला गैंग का पर्दाफाश

-ग्रामीण क्षेत्र के युवा होते हैं गैंग के निशाने पर

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला बड़ा गैंग सामने आया है। इस गैंग ने ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया। ताजा मामला उमापुर गांव से सामने आया है, जहां युवती ने आठ बार शादी करने के बाद नौवीं बार उमापुर के एक युवक से शादी कर लाखों रुपये का चूना लगा दिया। उमापुर निवासी युवक की शादी के लिए कुछ एजेंटों ने मध्यस्थता की। शादी तय करने के नाम पर युवक से लाखों रुपये लिए। इसके बाद बाकायदा शादी हुई, लेकिन कुछ समय बाद दुल्हन और उन एजेंटों का असली चेहरा सामने आ गया। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिस लड़की से युवक की शादी हुई, वह पहले आठ बार शादी कर चुकी थी। इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ युवक अब परेशान हो रहा है। युवक ने मामले की शिकायत एसपी से की। युवक ने कहा कि अंधेरे में रखकर शादी कराई गई थी। जिस युवती से शादी हुई, उसकी यह नौवीं शादी थी। युवक का कहना है कि दुल्हन एक और दूल्हे अनेक बनाकर यह गिरोह युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। यह गैंग खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के उन युवकों को निशाना बनाता था, जिन्हें शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में परेशानी होती है। यह गैंग एजेंटों के जरिए युवकों को निशाना बनाया जाता है।

सिंहस्थ तैयारियों को झटका : शिप्रा किनारे व्यावसायिक निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

उज्जैन (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी के करीब प्रस्तावित निर्माण गतिविधियों को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। उच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि शिप्रा नदी के किनारे किसी भी प्रकार की कारोबारी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। विशेष रूप से, नदी तट से 100 से 200 मीटर के दायरे में प्रस्तावित रिसॉर्ट निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह फैसला उज्जैन निवासी सत्यनारायण द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन कर हो रहे अवैध निर्माणों को चुनौती दी गई थी। पूर्व में, हाईकोर्ट ने नगर निगम और राज्य शासन को 200 मीटर क्षेत्र में अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में, उज्जैन नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है, कुछ अतिक्रमण हटाए गए हैं और कुछ को नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेला को ध्यान में रखकर बनाई गई रिवर फंट डेवलपमेंट योजना का भी उल्लेख हुआ। इस योजना के तहत, नदी से 100 मीटर क्षेत्र में घाट विकास और सुंदरीकरण जैसे गैर-व्यावसायिक कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें कोर्ट ने सैद्धांतिक रूप से इजाजत योग्य माना। हालांकि, 100 से 200 मीटर के दायरे में आश्रम, मठ, प्रवचन हॉल, धर्मशालाओं के साथ-साथ प्रस्तावित रिसॉर्ट जैसी कारोबारी गतिविधियों को लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे रिसॉर्ट जैसे व्यावसायिक निर्माण को स्वीकार करना संभव नहीं है। अगली सुनवाई तक, इस 100 से 200 मीटर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के रिसॉर्ट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय सिंहस्थ की तैयारियों में शामिल उन योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनमें शिप्रा तट के व्यावसायिक उपयोग की परिकल्पना की गई थी।

इंडिया गठबंधन का सिर्फ एक ही काम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना

-राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कांग्रेस पर हुए हमलावार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने फिर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी स्पष्ट मिशन या विजन पर आधारित नहीं है। बल्कि भ्रम, विभाजन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का समूह है। जिसका सिर्फ एक ही काम हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस लोकल दलों का इस्तेमाल कर उन्हें बाद में छोड़ देती है। उन्होंने दावा किया कि देश में इस गठबंधन की कोई मजबूत उपस्थिति या एकजुटता दिखाई नहीं देती है और यह केवल राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बना एक अस्थायी गठबंधन है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है, बल्कि यह भ्रम और विभाजन का गठबंधन है। उनके अनुसार, इसमें शामिल दलों के बीच न नीति को लेकर एकरूपता है और न ही देश के विकास के लिए कोई साझा विजन इन लोगों के पास मौजूद है।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर की संवेदनशील सोच से नशा मुक्ति अभियान बना जनआंदोलन

स्वामी सदानन्द प्रणामी गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट फतेहाबाद ने दिया अनुकरणीय योगदान, नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार हेतु 21 हजार रुपए की दवाइयाँ भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस की दूरदर्शी एवं संवेदनशील सोच के परिणामस्वरूप फतेहाबाद जिला नशा मुक्त समाज की ओर मजबूती से अग्रसर है। एक ओर जहां फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए अनेक नशा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जा चुका है, वहीं दूसरी ओर 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' अभियान के तहत नशा ग्रस्त युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का मानवीय कार्य निरंतर किया जा रहा है। नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार नशे की लत में फंसे युवाओं से संपर्क स्थापित कर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है, उन्हें उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक अनेक युवाओं को नशे की गिरफ्त से मुक्त कर उन्हें सम्मानजनक और सामाजिक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया गया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर की इसी प्रेरणादायी सोच से समाज के जिम्मेदार एवं समाजसेवी संगठन भी इस मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। इसी कड़ी में स्वामी सदानन्द प्रणामी गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट फतेहाबाद ने एक सराहनीय पहल करते हुए नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वामी सदानन्द प्रणामी गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य श्री विनोद तायल, अशोक भुक्कर, नरेन्द्र सिंगला व रामनिवास बंसल ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा करीब 21 हजार रुपए मूल्य की दवाइयाँ भेंट की गई हैं। इन दवाइयों का उपयोग नशा पीड़ित युवाओं के उपचार एवं पुनर्वास में किया जाएगा, जिससे वे शीघ्र स्वस्थ होकर समाज की मुख्यधारा में लौट सकें। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम के सदस्य व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। पुलिस अधीक्षक की ओर से ट्रस्ट के इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा समाज की अन्य संस्थाओं एवं नागरिकों से भी अपील की गई कि वे आगे आकर इस नशा मुक्ति अभियान में अपना योगदान दें, ताकि फतेहाबाद को पूर्ण रूप से नशा मुक्त बनाया जा सके।

ममता की हार देख अखिलेश ने आईपैक से तोड़ा नाता, अब पार्टी खुद करेगी चुनाव प्रबंधन

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की चुनावी हार के बाद चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि अब पार्टी खुद चुनाव प्रबंधन करेगी। आधिकारिक तौर पर सपा की तरफ से आईपैक से ना तो रिश्ता जोड़ने का कोई बयान आया था ना ही अब जबकि 2027 चुनाव के लिए आईपैक से संबंध टूटे हैं तो इसका कोई आधिकारिक बयान पार्टी की तरफ से आया है, लेकिन पार्टी सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव प्रबंधन करने वाली सबसे चर्चित कंपनी आईपैक से अब समाजवादी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। सपा के इंसाइडर्स यह बता रहे हैं कि आईपैक पर पड़े लगातार छापे और अब दो राज्यों में चुनावी हार, जहां आईपैक इस चुनाव को मैनेज कर रही थी उसके बाद पार्टी के थिंक टैंक ने इस संस्था से दूरी बनाना ही बेहतर समझा है और आईपैक को ये बात भी दी है कि चुनाव में साथ नहीं चल सकते। बता दें जिस दिन कोलकाता में आईपैक ऑफिस में छापे पड़ रहे थे और ममता बनर्जी आईपैके के दफ्तर पहुंच गई, उसे दिन समाजवादी पार्टी ऑफिस आईपैक अपना प्रेजेंटेशन दे रही थी। आईपैक के साथ जाने का सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन प्रेजेंटेशन के दिन ही पड़े छापे ने अखिलेश यादव का खबरदार कर दिया था और तभी यह पार्टी सोचने लगी थी क्या आईपैड को साथ लेना कहीं भारी तो नहीं पड़ जाएगा। अब ममता और स्टालिन की हार के बाद इस पर मोहर लग गई है।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....

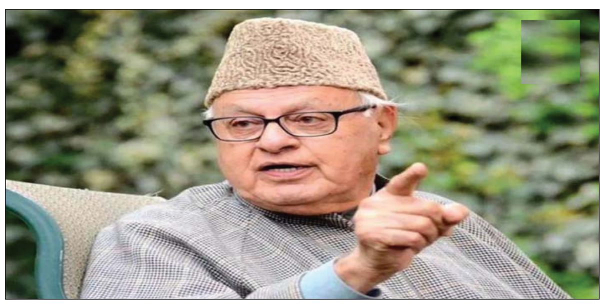

-सियासी हलके में हुई तीखी प्रतिक्रिया

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8-15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10-50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

विजय की टीवीके को कांग्रेस का समर्थन, 7 को ले सकते हैं शपथ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को कांग्रेस ने समर्थन देने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान टीवीके को समर्थन देने का प्रस्ताव पास किया है और जल्द ही इसका आधिकारिक पत्र जारी किया जा सकता है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस ने 2021 और 2026 का चुनाव द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन अब वह विजय के साथ सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा रही है। चर्चा है कि कांग्रेस इसके बदले कैबिनेट में दो मंत्री पद और कुछ सरकारी बोर्डों के अध्यक्ष पद की मांग कर सकती है।

राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है, जबकि टीवीके को 108 सीटें हासिल हुई हैं। कांग्रेस के पांच निर्वाचित विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय के पास कुल 113 विधायकों का साथ हो जाएगा। हालांकि, बहुमत के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी भी 5 और विधायकों की जरूरत है। बताया जा रहा है कि टीवीके नेतृत्व वीसीके, लेफ्ट और अन्य छोटे दलों के संपर्क में है ताकि सरकार गठन में कोई बाधा न आए। विजय बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं और संभवतः 7 मई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं।

गणितीय आंकड़ों के खेल में एक पेच यह भी है कि विजय ने दो सीटों–चेन्नई की पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व–से जीत हासिल की है। निर्वाचन नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। यदि वे तिरुचिरापल्ली सीट छोड़ते हैं, तो उनकी पार्टी की संख्या 107 रह जाएगी। इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त होने की स्थिति में प्रभावी मतदान क्षमता 106 तक गिर सकती है, जिससे गठबंधन को अतिरिक्त समर्थन जुटाने के लिए और अधिक मशक्कत करनी होगी। फिलहाल चेन्नई स्थित विजय के आवास पर विधायकों की बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस विधायकों के भी जल्द ही उनसे मुलाकात करने की संभावना है। यदि यह गठबंधन सफल होता है, तो तमिलनाडु में दशकों पुराने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6-30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

बेहतरीन कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों का सम्मान: पुलिस अधीक्षक ने प्रशंसा पत्र देकर बढ़ाया उत्साह

विभिन्न ईकाईयों में तैनात 09 पुलिस कर्मचारियों को मिली सराहना-

कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से ड्यूटी करने वाले जवानों को एसपी मैडम ने किया सम्मानित-

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाने वाले पुलिस कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के विभिन्न थानों व शाखाओं में तैनात 09 पुलिस कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानितइस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मान से अन्य पुलिस कर्मचारियों में भी बेहतर कार्य करने का जज्बा पैदा होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ये कर्मचारी इसी प्रकार समर्पण भाव से समाज की सेवा और अपराध नियंत्रण में अपना योगदान देते रहेंगे।सम्मानित होने वाले कर्मचारियों ने इस प्रोत्साहन के लिए पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन और भी बेहतर तरीके से करेंगे।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

-राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई 22 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को लेकर अहम कानूनी फैसला फिलहाल टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित करते हुए अगली सुनवाई 22 मई तय की है। अब उसी दिन अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय देगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी इस मामले में सुनवाई टल गई थी और अदालत ने 6 मई की तारीख निर्धारित की थी।

पूरा मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करते हुए एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन और अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों को नामजद किया गया। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम समेत कई शहरों में छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जुटाए गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। अब इस मामले में 22 मई की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अदालत आरोप तय करने पर अंतिम फैसला सुना सकती है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र खड़ी करेगा चुनौतियां

बंगाल में वित्तीय चुनौतियों के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक युग का अंत हुआ है। 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा ने राज्य की कमान संभाल ली है। इस बड़े राजनीतिक उलटफेर के बाद अब प्रदेश की जनता और आर्थिक विशेषज्ञों की नजरें नई सरकार के उन वादों पर टिकी हैं, जो भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र संकल्प पत्र में किए थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्ज और सीमित संसाधनों के दबाव में दबी राज्य की अर्थव्यवस्था इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का बोझ कैसे उठाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों में सबसे प्रमुख महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देना है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्गों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, लेकिन इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा। इसके साथ ही, लंबे समय से लंबित सातवें वेतन आयोग को लागू करने और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का वादा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत तो है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व व्यय में भारी वृद्धि होना तय है। वर्तमान वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो बंगाल की नई सरकार के लिए राह आसान नहीं दिखती। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत रहा है। हालांकि, आगामी वर्षों में इसके घटकर 2.9 प्रतिशत तक आने का अनुमान है, जो वित्तीय अनुशासन की ओर इशारा करता है, लेकिन यह सुधार नए और बड़े खर्चों के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं छोड़ता।

राज्य की वित्तीय स्थिति में सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्ज का स्तर है, जो जीएसडीपी का लगभग 38 प्रतिशत बना हुआ है। यह उच्च स्तर दर्शाता है कि राज्य अपनी जरूरतों के लिए उधारी पर बहुत अधिक निर्भर है। इसके अलावा, राज्यों की अपनी कर आय उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों का केवल 41 प्रतिशत ही है। यानी आधे से भी अधिक राजस्व के लिए केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। वर्तमान खर्च के ढांचे को देखें तो बजट का बड़ा हिस्सा राजस्व व्यय (वेतन, पेंशन और सब्सिडी) में चला जाता है, जबकि विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय केवल 4 प्रतिशत तक सीमित है। नई सरकार के सामने अब यह बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने लोक-कल्याणकारी वादों को पूरा करने के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के लिए धन कैसे जुटाती है। वेतन संशोधन और नकद सहायता योजनाओं के लागू होने से विकास कार्यों के लिए वित्तीय जगह और भी

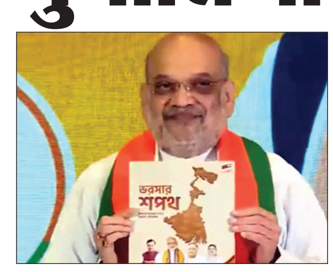

कम हो सकती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार वित्तीय अनुशासन और जन-आकांक्षाओं के बीच कैसे तालमेल बिठाती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com